सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 360 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 12 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

ट्रक ने कचरा फेंकने गई महिला को रौंदा, नाराज ग्रामीणों ने स्टेट हाईवे किया जाम

दुर्ग। दुर्ग जिले के चंदखुरी गांव में शनिवार शाम एक सड़क हादसे में महिला की मौत हो गई। इस घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर स्टेट हाईवे जाम कर दिया। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर इकट्ठा होकर देर रात तक प्रदर्शन किया और मृतका के परिजनों के लिए मुआवजे की मांग की। सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी के अनुसार, मृतका चंदखुरी स्थित एक राइस मिल में कार्यरत थी। शनिवार शाम करीब 6 बजे वह राइस मिल परिसर से बाहर कचरा फेंकने निकली थी। इसी दौरान धान से भरे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। ट्रक के पिछले पहिए के नीचे आने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। उन्होंने मृतका का शव सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि राइस मिल के बाहर भारी वाहनों की लगातार आवाजाही से दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। लेकिन प्रशासन ने इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने मृतका के परिजनों के लिए उचित मुआवजे और दोषी ट्रक चालक की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाइश दी, जिसके बाद आक्रोशित लोगों ने जाम खोला। पुलिस द्वारा मृतका के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस प्रशासन ने घटना की जांच का आश्वासन दिया है।

कोरबा में हत्या के बाद आत्महत्या की घटना से फैली सनसनी

कोरबा। जिले से सनसनीखेज वारदात सामने आई है। शराब के नशे में पति ने पहले अपनी पत्नी को मौत के घाट उतारा। इसके बाद उसने खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मामला पसान थाना के लैगा गांव का है। जानकारी के अनुसार, संतराम यादव ट्रक ड्राइवर का काम करता था। बताया जा रहा है कि वह अपनी पत्नी के साथ पारिवारिक विवादों को लेकर अक्सर झगड़ा करता था। शनिवार की शाम करीब 6 बजे शराब के नशे में उसने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। इसके कुछ समय बाद संतराम ने खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों के शवों को बरामद किया। शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिले हैं। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल आगे की कार्रवाई जारी है।

बाइकों में आगजनी, शरारती तत्व ने फैलाई दहशत

सूरजपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र से आगजनी की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। गिरवरगंज के बईरपारा निवासी हरिशंकर के घर के सामने खड़ी दो मोटरसाइकिलें देर रात अचानक आग की लपटों में घिर गईं। बताया जा रहा है कि घटना रात लगभग ढाई बजे की है, जब आसपास के लोग गहरी नींद में थे। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग लगने की वजह अज्ञात है, हालांकि आशंका जताई जा रही है कि किसी शरारती तत्व ने बाइक में आग लगाई होगी। देखते ही देखते दोनों मोटरसाइकिलें धू-धू कर जल उठीं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस आगजनी के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है।

कलेक्टर कॉन्फ्रेंस 2025 : 15 नवंबर से होगी धान खरीदी
कलेक्टरों को धान खरीदी की तैयारियां करने के निर्देश

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में हुई कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में रविवार को नवा रायपुर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) में कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में सभी विभागीय सचिव, संभागायुक्त और कलेक्टर शामिल हुए। कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन, सुशासन की स्थिति और जनसेवा की गुणवत्ता पर समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ने आगामी धान खरीदी को देखते हुए दिए महत्वपूर्ण निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि किसानों का एक-एक दाना धान सरकार खरीदेगी। सीएम साय ने कहा छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से धान खरीदी होगी। बैठक में सीएम ने कलेक्टरों को धान खरीदी की तैयारियां करने के निर्देश दिए है। उन्होंने साफकहा है कि धान खरीदी में अनियमितता पाए जाने पर कलेक्टर जिम्मेदार होंगे।

कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस के दौरान सीएम साय ने कहा है कि किसान पोर्टल में किसानों का शत-प्रतिशत पंजीयन समय पर पूरा करें। सीएम ने किसान पंजीयन में धीमी प्रगति वाले जिलों से आगे की कार्ययोजना की भी जानकारी ली और विभागीय सचिव से कहा कि दूरस्थ अंचलों में नेटवर्क की समस्या होने पर विशेष शिविर लगाकर पंजीयन करें। प्रभारी सचिवों को जिलों में धान खरीदी की पैनी निगरानी और संवेदनशील केंद्रों की गहन निगरानी करने के निर्देश दिए है। खासकर अंतरराज्यीय सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष निगरानी करने को कहा। पूरी पारदर्शिता और सुगमता के साथ हो धान खरीदी की पुख्ता व्यवस्था की जाए। इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से चौकसी बढ़ेगी।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में कोई पात्र किसान न छूटें

कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस में सीएम साय ने कहा है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में कोई पात्र किसान न छूटें। योजना का लाभ दिलाने समय सीमा निर्धारित कर कलेक्टर काम करें। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के क्रियान्वयन की कमिश्नर समीक्षा करें। बस्तर और सरगुजा संभाग में संवेदनशीलता के साथ विशेष फोकस अधिकारी करें। इसके साथ ही अंतरराज्यीय सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष निगरानी की जाए ताकि किसी भी प्रकार से अन्य राज्यों से धान का अवैध परिवहन न हो पाए। सीएम साय ने कहा है कि विशेष पिछड़ी जनजातियों के किसानों के पंजीयन की सुगम व्यवस्था होनी चाहिए ताकि किसी भी प्रकार समस्या उत्पन्न न हो।

शिविरों के माध्यम से कराएं शत प्रतिशत पंजीयन

कॉन्फ्रेंस के दौरान सीएम साय ने सभी जिला कलेक्टरों को विशेष शिविरों के माध्यम से शत प्रतिशत पंजीयन कराने का निर्देश दिया। योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए सभी कलेक्टर समय सीमा निर्धारित कर काम करें। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के क्रियान्वयन की समीक्षा संभागायुक्त करेंगे। इसके साथ ही सीएम साय ने अधिकारियों को बस्तर और सरगुजा संभाग में संवेदनशीलता के साथ विशेष फोकस करने का निर्देश दिया है।

पीएम सूर्यघर योजना पर फोकस करें अधिकारी

कॉन्फ्रेंस के दौरान सीएम साय ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को लेकर अफसरों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोगों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य है। इसके लिए केन्द्र सरकार की पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना एक अहम कड़ी है। सीएम साय ने अधिकारियों को पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिले, यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीण इलाकों में हितग्राहियों को आसानी से बैंक फाइनेंस की सुविधा मिलनी चाहिए। यदि कोई समस्या आए तो कलेक्टर स्वयं फील्ड पर जाकर इसे सुलझाएं और यह सुनिश्चित करें कि ग्रामीणों को आसानी से ऋण उपलब्ध हो रहा है।

छत्तीसगढ़ से मानसून की विदाई जल्द होगी रायपुर, दुर्ग-भिलाई में हल्की ठंड का एहसास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दक्षिण क्षेत्र यानी बस्तर संभाग में अगले 2 दिन तक गरज-चमक के साथ बारिश की आशंका है। इसके अलावा अगले 2 से 3 दिनों में उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ से मानसून की वापसी शुरू हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तरी छत्तीसगढ़ से दक्षिणी-पश्चिम मानसून की विदाई के लिए परिस्थितियां अनुकूल बन रही हैं। वहीं राजधानी रायपुर, दुर्ग-भिलाई सहित कुछ जिलों में हल्की ठंड का अहसास शुरू हो गया है।

पिछले 24 घंटों की बात करें तो प्रदेश के कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई है। बिलासपुर में शनिवार दोपहर अचानक मौसम बदला और तेज बारिश हुई। सबसे ज्यादा 90 मिमी बारिश अंतागढ़ में हुई है। वहीं राजधानी रायपुर में हल्की ठंड का एहसास होने लगा है। रविवार को भी बारिश हो सकती है। अधिकतम तापमान 32.01 डिग्री सेल्सियस जगदलपुर और न्यूनतम तापमान 18.0 डिग्री पेंड्रारोड में रिकॉर्ड किया गया है। रविवार के लिए मौसम विभाग ने किसी भी जिले में अलर्ट जारी नहीं किया है इस बार अक्टूबर में अब तक सामान्य से 109 फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई है। आमतौर पर 8 अक्टूबर तक राज्य में औसतन 28.3 मिमी वर्षा होती है और मानसून लौट चुका होता है, लेकिन इस बार अब तक 59.1 मिमी से ज्यादा बारिश हो चुकी है। फिलहाल देश के कई हिस्सों से मानसून की वापसी शुरू हो चुकी है। छत्तीसगढ़ में आमतौर पर 5 अक्टूबर के आसपास सरगुजा की तरफ से मानसून लौटना शुरू होता है, लेकिन इस बार वापसी में देरी हो रही है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस बार प्रदेश में मानसून करीब 15 अक्टूबर के बाद लौटेगा, यानी सामान्य से करीब 10 दिन देरी से।

बलरामपुर में सामान्य से 52 फीसदी ज्यादा बारिश

प्रदेश में अब तक 1167.4 मिमी औसत बारिश हुई है। बेमेतरा जिले में अब तक 524.5 मिमी पानी बरसा है, जो सामान्य से 50 फीसदी कम है। अन्य जिलों जैसे बस्तर, राजनांदगांव, रायगढ़ में वर्षा सामान्य के आसपास हुई है। जबकि बलरामपुर में 1520.9 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य से 52 फीसदी ज्यादा है। ये आंकड़े 30 सितंबर तक के हैं।

दुर्ग पुलिस की एसीसीयू ने खोज निकाले 201 गुम मोबाइल, प्रार्थियों को बुलाकर किया जा रहा वितरण

■ **41 लाख रुपए के मोबाइल फोन बरामद**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले में गुम मोबाइल के संबंध में लगातार गुमने की रिपोर्ट प्रार्थियो द्वारा थानो में दर्ज कराई जा रही है। जिससे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल ने गुम मोबाईलो की पतासाजी कर प्रार्थियो के सुपुर्द करने हेतु निर्देश प्राप्त हुए थे। जिसके परिपालन में एन्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट एवं जिला दुर्ग के थाना प्रभारियों के नेतृत्व में एन्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट एवं थाने की टीम को गुम हुये मोबाईलों को खोजकर संबंधित मोबाइल स्वामियों को वितरण करने हेतु लगाया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार वर्ष 2024-2025 के गुमे हुये मोबाईलों से संबंधित आवेदन पत्रों के आधार पर अभियान चला कर मेहनत एवं लगन से एन्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट टीम द्वारा दुर्ग, भिलाई, राजनांदगाँव, बालोद, बेमेतरा एवं रायपुर क्षेत्रों में चल रहे कुल 201 नग विभिन्न कंपनियों के मोबाईलों जुमला कीमती तकरीबन 41 लाख रुपए का बरामद किया गया।

जिसे संबंधित आवेदकों को विधिवत वितरण किया जा रहा है। उक्त कार्यवाही में एन्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट टीम की उल्लेखनीय भूमिका रही। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर दुर्ग पुलिस के सोशल मीडिया एकाउन्ट (फेसबुक, इन्सटाग्राम, ट्वीटर) पर बरामद मोबाइल के आईएमईआई नंबरों की लिस्ट अपलोड की जायेगी जिससे मिलान कर संबंधित मोबाईल स्वामी एन्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट कार्यालय सेक्टर 3 से अपना मोबाइल प्राप्त कर सकते हैं।

दुर्गापुर में छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म मामले में तीन गिरफ्तार

■ **दो आरोपियों को तलाश रही पुलिस**

दुर्गापुर। पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले में एक निजी मेडिकल कॉलेज की छात्रा से 'सामूहिक दुष्कर्म' के मामले में रविवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। फिलहाल पुलिस ने अभी तक तीनों गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उजागर नहीं की है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, 'हमने इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। यह एक बेहद संवेदनशील मामला है और हम आगे की जानकारी बाद में देंगे।'

पुलिस ने शनिवार को बताया कि ओडिशा के जलेश्वर की रहने वाली एक मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ दुर्गापुर में कुछ लोगों ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया। छात्रा की हालत अब स्थिर बताई जा रही है, उसका अस्पताल में ही इलाज चल रहा है और उसने पुलिस को अपना बयान दे दिया है। यह घटना शोभापुर के पास स्थित मेडिकल कॉलेज परिसर में हुई। छात्रा रात करीब 8:30 बजे अपने एक पुरुष मित्र के साथ कॉलेज कैंपस के बाहर खाना खाने गई थी। इस दौरान कैंपस गेट के पास ही एक आरोपी ने उसे जबरन पीछे के सुनसान इलाके में खींच लिया और दुष्कर्म की वारदात को किया। इसके बाद बाकी आरोपियों ने भी घिनौने कृत्य को अंजाम दिया।

मामले में पुलिस ने अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और बाकी दो की तलाश में जारी है। कॉलेज स्टाफ और छात्रा के साथ आए दोस्त से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस परिसर के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि अपराधियों की पहचान और पुख्ता की जा सके।

क्या वाकई शोषण का जरिया बन गया डिजिटल युग

श्रीकंचनपथ

डिजिटल युग में प्रिवेसी को तो खतरा उत्पन्न हुआ ही है, नई तकनीकों ने इसे एक ऐसा आयाम दे दिया है जिसकी मार से कोई भी बच नहीं सकता। कब किसका, कैसा वीडियो आ जाएगा कोई कह नहीं सकता। तकनीक इतनी उम्दा है कि असल-नकल में फर्क करना तक मुश्किल हो जाता है। आए दिन सोशल मीडिया पर लोग इसके मुफ्त सैम्पल देख रहे हैं जिसमें नामचीन सिने कलाकारों से लेकर बड़े से बड़े नेता का मजाक उड़ाया जा रहा है। नामचीन चेहरे इसलिए कि हर कोई इससे कनेक्ट हो सके और मजा ले सके। आर्टिफिशल इंटेलीजेंस ने इस काम को और आसान बना दिया है। अब ऐसे इमेज अथवा वीडियो चुटकियों में बनाए जा सकते हैं जिनका सच्चाई से दूर-दूर तक कोई लेना देना नहीं है। इसका एक भयानक स्याह पहलू भी है। इस तकनीक का उपयोग कर किसी का भी जीना हराम किया जा सकता है। लड़कियों को ऐसे स्थानों पर, ऐसे लोगों के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिखाया जा सकता है, जहां वो कभी गई ही नहीं। पर यह कहना युक्तिसंगत नहीं होगा कि खतरा केवल किशोरियों या युवतियों के लिए है। इससे सज्जन और निर्दोष पुरुष भी समान रूप से प्रताड़ित हो सकते हैं। इसलिए जब भारत के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई कहते हैं कि तकनीक सशक्तिकरण का नहीं बल्कि शोषण का जरिया बनी तो इसे थोड़ा और व्यापक रूप में लेना चाहिए। सीजेआई ने कहा कि नई तकनीक की चुनौतियों से निपटने के लिए पुलिस को खास ट्रेनिंग देनी होगी। उन्होंने कहा कि लड़कियों के लिए ऑनलाइन हैरेसमेंट, साइबर बुलिंग, डिजिटल स्टॉकिंग, निजी डेटा के दुरुपयोग और डीप-फेक तस्वीरें बड़ी चिंता बन गई हैं। उन्होंने चिंता जताई कि संवैधानिक गारंटी के बावजूद लड़कियों को अब भी बुनियादी अधिकारों और सम्मान से वंचित रखा जाता है। यह स्थिति उन्हें यौन शोषण, मानव तस्करी, बाल विवाह और भेदभाव की परिस्थितियों में धकेल देती है। टेक्नोलॉजी जहां एक ओर अवसर देती है, वहीं यह नए तरह के शोषण का साधन भी बनती जा रही है। वहीं जस्टिस बीवी नागरत्ना का मानना था कि एक लड़की तभी बराबर की नागरिक मानी जा सकती है, जब उसे वही अवसर, संसाधन और सम्मान मिले जो एक लड़के को मिलते हैं। जस्टिस जेबी पारदीवाला ने कहा कि हर लड़की का अधिकार है कि वह भय और भेदभाव से मुक्त होकर शिक्षा, स्वास्थ्य और समान अवसरों के साथ आगे बढ़ सके। पर चिंता का असली विषय यह नहीं है। चिंता का विषय यह है कि रिलेनशिप और ब्रेकअप अब एक फैशन बन गया है। जो संबंधों को सीरियसली लेता है वह ठगा रह जाता है। दाढ़ी वाले मजनुओं का जमाना बीत गया। अब तो आधे से ज्यादा जोड़ों के फोन पर उभय पक्ष की निजी तस्वीरें पहले से मौजूद हैं। उसे किसी खास तकनीक की जरूरत ही नहीं। बदलते दौर के लिए मानसिक प्रस्तुति ही इसका एकमात्र हल है।

संपादकीय

बसपा ने फिर दिखाई ताकत

बसपा रैली में बहिन मायावती के भतीजे आकाश आनंद की लॉन्चिंग के साथ-साथ मायावती के सबसे करीबी माने जाने वाले नेता सतीशचंद्र मिश्रा के बेटे कपिल मिश्रा की भी लॉन्चिंग हो गई है। मायावती ने उनके कामकाज की प्रशंसा भी की। उत्तर प्रदेश में आगामी पंचायत चुनाव से लेकर वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों तक की चहल-पहल दिखने लगी है। इसी क्रम में बसपा सुप्रीमो बहिन मायावती ने मान्यवर कांशीराम की पुण्यतिथि के अवसर पर शक्ति प्रदर्शन करते हुए कई राजनैतिक संदेश दिए।

मायावती ने अपनी जनसभा में एक ओर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करके राजनैतिक विश्लेषकों को हैरान किया तो दूसरी ओर अगले विधानसभा चुनावों में बिना किसी गठबंधन के उतरने की घोषणा भी कर दी है। बसपा के शक्ति प्रदर्शन को देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनावों में बसपा की बढती ताकत से समाजवादी पार्टी को नुकसान होने जा रहा है। बहिन मायावती ने न केवल यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा की अपितु यह भी कहा कि यदि आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी जुमला न साबित हुआ तो वह पूरी तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़ी होंगी।

बहिन मायावती अपनी 2007 की रणनीति को अपनाते हुए पुन: सामाजिक न्याय को आधार बनाकर ही चुनावी मैदान में उतरेंगी ऐसा संकेत उनकी रैली से मिलता है। उन्होंने अपनी रैली मे भीड़ जुटा कर यह संदेश दे दिया है कि उनका कोर वोटबैंक जाटव व दलित अभी भी उनके साथ है, भले ही इस समय उनके पास विधानसभा में केवल एक विधायक और मात्र 9 प्रतिशत वोट है। बहिन मायावती अपनी रैली में भाजपा के प्रति नरम व सपा तथा कांग्रेस के प्रति गरम दिखाई पड़ीं। उन्होंने अपनी रैली में कांग्रेस व सपा पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस संविधान पर नाटकबाजी कर रही है। कांग्रेस ने देश पर आपातकाल लगाकर बाबा साहब के बनाए संविधान का अपमान किया था। कांग्रेस ने बाबा साहब का कभी भी सम्मान नहीं किया। उन्होंने केंद्र सरकार में रहने पर उन्हें आयकर और सीबीआई की जांच में फंसाने की कोशिश की ताकि डॉ. आंबेडकर और कांशीराम के कारवां को रोका जा सके। अब उसी कांग्रेस के लोग संविधान की प्रति हाथ में लेकर नाटकबाजी कर रहे हैं। सपा पर तीखा हमला बोलते हुए बहिन मायावती ने कहा कि सपा की सराकर में दलितों व पिछड़ों का सर्वाधिक उत्पीड़न हुआ। उन्होंने सपा सरकार की अराजकता पर हमला किया।

बसपा रैली में बहिन मायावती के भतीजे आकाश आनंद की लॉन्चिंग के साथ-साथ मायावती के सबसे करीबी माने जाने वाले नेता सतीशचंद्र मिश्रा के बेटे कपिल मिश्रा की भी लॉन्चिंग हो गई है। मायावती ने उनके कामकाज की प्रशंसा भी की। जातीय समीकरण साधने के लिए सतीशचंद्र मिश्र के अलावा उमाशंकर सिंह को भी मंच पर जगह दी गई। प्रशंसनीय बात है कि इस रैली की तैयारी बहिन मायावती और उनके कार्यकर्ता बहुत ही शांत व अनुशासित तरीके से कर रहे थे। बसपा व बहिन मायावती अपने वोटर्स के मध्य बहुत समझदारी के साथ संपर्क बनाती हैं और यही कारण है कि उनका वोटबैंक काफी सीमा तक सुरक्षित रहा है; यद्यपि 2017 के बाद जाटव मतदाता में सेंध लग चुकी है जिसे फिर से भरोसा दिलाकर वापस लाना बहिन जी के लिए एक कठिन चुनौती है। लंबे समय से बहिन जी का नाम तथा आवाज केंद्रीय राजनीति से दूर रहने के कारण दलित राजनीति में चंद्रशेखर रावण जैसे लोगों का उभार हुआ है जो बसपा के परम्परागत वोटबैक पर दावा ठोंक रहे हैं।

बसपा सुप्रीमो ने भले ही जोर देकर कहा है कि आगामी चुनावों में प्रदेश में बसपा की सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत लगा दी जाएगी किंतु यह फिलहाल संभव नहीं प्रतीत हो रहा हें क्योकि बसपा का जो राजनैतिक समीकरण हे उस आधार पर उन्हें सत्ता प्राप्त करने के लिए कम कम के कम 30 प्रतिशत मतों की आवश्यकता होगी और वह अभी मात्र 9 प्रतिशत ही है। प्रदेश की वर्तमान परिस्थितियों में बसपा कार्यकर्ताओं की धरातल पर कड़ी मेहनत के बाद यह मत प्रतिशत 15-20 पहुँच सकता है। बहिन जी ने खुले मंच से जिस प्रकार से योगी जी की प्रशंसा की वह बसपा के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है क्योंकि संभव है इससे प्रदेश का मुस्लिम मतदाता सपा गठबंधन के साथ जाना पसंद करे।

भले ही बसपा नेत्री मायावती का 2027 में अपने बलबूते पर सरकार में आने का दावा अतिशयोक्ति हो किन्तु इससे 2027 में सपा-बसपा गठबंधन की चर्चाओं को विराम लग गया है। साथ ही बहिन जी के दावे से सपा गठबंधन के लिए गहरा तनाव और भाजपा के लिए राहत की सूचना आ गई है।

स्वदेशी और स्वावलम्बन ही नये भारत का आधार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना महोत्सव यानी प्रत्येक वर्ष विजयदशमी के अवसर पर संघ प्रमुख का उद्बोधन एक नए संदेश और नये दृष्टिकोण के साथ सामने आता है, इस उद्बोधन का पूरा राष्ट्र इंतजार करता है। इस बार संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कई ऐसी बातें कहीं, जो सरकार के साथ समाज के लोगों का ध्यान खींचने वाली हैं। इस पर आश्चर्य नहीं कि उन्होंने अपने संबोधन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से भारत पर थोपे गए टैरिफ की चर्चा की।

50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ ने भारत के समक्ष जो कठिन चुनौती खड़ी कर दी है, उसका प्रभावी ढंग से सामना स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही किया जा सकता है। भागवत ने संबोधन में स्वदेशी और स्वावलंबन को नए भारत का आधार बताया है। उन्होंने कहा कि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में परस्पर निर्भरता एक स्वाभाविक स्थिति है, लेकिन यह निर्भरता कभी भी बंधन या मजबूरी में परिवर्तित नहीं होनी चाहिए। भारत को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ना होगा ताकि विदेशी निर्णयों और नीतियों पर हमारी नियंत्रण क्षमता सीमित न हो जाए। उनका कहना था कि स्वदेशी का अर्थ यह नहीं है कि हम दुनिया से कट जाएं, बल्कि यह है कि हम अपनी शर्तों पर और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार संबंध बनाएं।

संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष सम्पूर्णता की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ की कार्यप्रणाली का सार है, नए मनुष्य एवं सशक्त-स्वावलम्बी भारत का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है। इसीलिये देश के सभी वर्गों को एकसूत्र में जोड़ने के संकल्प के साथ संघ आगे बढ़ेगा क्योंकि जब तक व्यक्ति का चरित्र, दृष्टि और आचरण नहीं बदलते, तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से परिवर्तित नहीं हो सकती। संघ व्यक्ति-निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र को बदलने की दीर्घकालिक साधना कर रहा है। यही कारण है कि संघ के कार्य का परिणाम केवल शाखाओं या कार्यक्रमों में नहीं मापा जा सकता, बल्कि उस अदृश्य लेकिन ठोस नैतिक शक्ति एवं सशक्त राष्ट्रीय भावना में देखा जा सकता है, जो धीरे-धीरे समाज की दिशा बदल रही है।

भागवत ने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक दृष्टि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने विविधता को भारत की विशेषता बताया और समाज में विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर चेताया। उन्होंने पंच परिवर्तन की संकल्पना भी प्रस्तुत की जिसमें आत्मजागरूकता, पारिवारिक मूल्य, नागरिक अनुशासन और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता को जोड़ा गया है। इस संदेश के सकारात्मक पक्ष अनेक हैं। यदि इसे गंभीरता से अपनाया जाए तो यह देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को नई दिशा दे सकता है। स्थानीय उद्योगों, हस्तशिल्प और कृषि को बढ़ावा देने से रोजगार का सृजन होगा और आर्थिक आत्मसम्मान मजबूत होगा। स्वदेशी पर बल देने से विदेशी निर्भरता घटेगी और देश की सुरक्षा व नीति संबंधी स्वतंत्रता बढ़ेगी। यदि समाज के स्तर पर भी इस सोच को अपनाया जाए तो उपभोक्तावाद के स्थान पर संवेदनशीलता और सेवा भाव विकसित होगा। विविधता के सम्मान और सामाजिक सद्भाव के आग्रह से राष्ट्र अधिक एकजुट और शक्तिशाली बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जिस आत्मनिर्भर भारत का आह्वान कर रहे हैं, उसका मूल उद्देश्य केवल आर्थिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है। यह संदेश देश की घरेलू क्षमताओं को सशक्त बनाने, आयात पर निर्भरता घटाने और स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ विकास की दिशा को व्यापक सामाजिक सरोकारों से भी जोड़ता है, जिसमें महात्मा गांधी की 'स्वदेशी अपनाओ' और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 'अंत्योदय' की परिकल्पना स्पष्ट तौर पर समाहित है।

स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही नया भारत-सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है। इस बात को सरकार भी रेखांकित कर चुकी है और अब संघ प्रमुख ने भी दोहरा दिया। यह समय की मांग है कि स्वदेशी और स्वावलंबन पर तब तक बल दिया जाए, जब तक वांछित सफलता न मिल जाए। जहां सरकार को स्वदेशी की राह को आसान करना होगा, वहीं समाज को सहयोग देने के लिए तत्पर रहना होगा। इस उम्मीद में नहीं रहा जाना चाहिए कि अमेरिका के साथ शीघ्र ही आपसी व्यापार समझौता हो जाएगा। एक तो जब तक ऐसा हो न जाए तब तक चैन से नहीं बैठा जा सकता और दूसरे, यदि ऐसा हो जाए तो भी भारत को स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलना छोड़ना नहीं चाहिए। व्यापारिक साझेदारों पर निर्भरता लाचारी में नहीं बदलनी चाहिए। वास्तव में इस स्थिति से बचने का ही उपाय है स्वदेशी उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करना। परंतु इस संदेश के साथ कई चुनौतियां और सीमाएं भी जुड़ी हुई हैं। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था इतनी आपस में गुँथी हुई है कि किसी भी देश का पूर्ण स्वावलंबन व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। अनेक तकनीकें और कच्चे माल अब भी हमें विदेशों से ही प्राप्त करने होते हैं। यदि स्वदेशी को बढ़ावा देने के नाम पर विदेशी व्यापार पर प्रतिबंध या अधिक शुल्क लगाए जाते हैं तो यह व्यापार युद्ध और आर्थिक तनाव को जन्म दे सकता है। इस संदेश की सफलता केवल भाषणों और भावनात्मक नारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि ठोस नीतियों, बजट, शोध और योजनाओं के आधार पर इसे अमल में लाना होगा।

सामाजिक दृष्टि से भी यह आवश्यक है कि स्वदेशी और स्वावलंबन का नारा केवल एक सांस्कृतिक या राजनीतिक रंग में न ढल जाए। यह तभी कारगर होगा जब इसे हर वर्ग, हर धर्म और हर क्षेत्र का साझा लक्ष्य बनाया जाएगा। नागरिकों की आदतों और व्यवहार में बदलाव लाना आसान नहीं है, लेकिन यदि यह बदलाव शिक्षा, प्रोत्साहन और जनचेतना के माध्यम से लाया जाए तो यह नारा समाज में गहरी जड़ें जमा सकता है। संघ प्रमुख का यह संदेश नए भारत की दिशा में प्रेरणा का स्रोत है। यह हमें बताता है कि हमें अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति पर गर्व करना चाहिए, वैज्ञानिक और तकनीकी दृष्टि से सशक्त होना चाहिए और विश्व के साथ संवाद स्थापित करते हुए भी अपनी स्वायत्तता को बनाए रखना चाहिए। किंतु इसके लिए आलोचनात्मक विवेक, व्यावहारिक सोच और निरंतर समीक्षा की आवश्यकता है। आज विभिन्न देशों की परस्पर मित्रता का आधार अपने-अपने आर्थिक-कूटनीतिक हित हैं। इन स्थितियों में सर्वोत्तम उपाय स्वदेशी को बल देते हुए देश को आत्मनिर्भर बनाना है।

आज की वैश्विक परिस्थितियों पर दृष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। मानसिक तनाव और आत्मकेंद्रित जीवन-शैली ने मानव को भीतर से खोखला कर दिया है। इन परिस्थितियों में भारत ही वह देश है, जो एक वैकल्पिक जीवन-दर्शन दे सकता है। भारत के पास भौतिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक समृद्धि की धरोहर है। यही धरोहर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्रदान करती है। संघ की शताब्दी वर्ष की सम्पूर्णता का उद्घोष केवल संघ के स्वयंसेवकों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश और विश्व के लिए एक संदेश है। यह संदेश है- स्वावलम्बी एवं स्वदेशी भावना को बदल देना, नए मनुष्य का निर्माण करना, गरीब को उठाना, धर्मों को जोड़ना, समाज में समरसता स्थापित करना और हिंदुत्व की व्यापक जीवन दृष्टि के आधार पर विश्व को दिशा देना। यह केवल भाषण नहीं, बल्कि एक संकल्प है।

सरकार 'शटडाउन' फिर भी अमेरिका चल रहा है!

रजनीश कपूर

महत्वपूर्ण सबक यह निकलता है कि लोकतंत्र में दलगत राजनीति और प्रशासनिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन आवश्यक है। अमेरिका में शटडाउन अक्सर दोनों दलों, डेमोक्रेट और रिपब्लिकन के बीच वैचारिक टकराव का परिणाम होता है। कर प्रणाली, सामाजिक सुरक्षा या रक्षा बजट जैसी नीतिगत असहमति वहाँ शटडाउन को जन्म देती है।

लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में शासन का संचालन केवल सरकार की नीतियों या सत्तारूढ़ दल की मंशा पर निर्भर नहीं होता, बल्कि संसदीय सहमति, वित्तीय अनुशासन और संस्थागत संतुलन पर भी निर्भर करता है। हर वर्ष अमेरिका में बजट पारित करने की प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न होने वाली तनातनी उसी लोकतांत्रिक संरचना की जटिलता को उजागर करती है। अमेरिका में जब संसद यानी कांग्रेस बजट या खर्च को मंजूरी नहीं देती, तब सरकार के कई विभागों की कार्यवाही आंशिक या पूर्ण रूप से ठप हो जाती है जिसे 'शटडाउन' कहा जाता है। ऐसे में गैर-जरूरी सेवाओं को बंद करना पड़ता है, कर्मचारियों को बिना वेतन छुट्टी दी जाती है और केवल अत्यावश्यक सेवाएँ जैसे सुरक्षा, रक्षा, स्वास्थ्य व कानून व्यवस्था सीमित रूप में चलती हैं।

इतिहास बताता है कि अमेरिका में 1976 से अब तक दो दर्जन के करीब शटडाउन हो चुके हैं। कई बार ये केवल एक-दो दिन चले तो कई बार हफ्तों तक। उदाहरण के लिए, 2018-19 का ट्रंप प्रशासनकालीन शटडाउन 35 दिनों तक चला, जो अब तक का सबसे लंबा था। परिणामस्वरूप लाखों कर्मियों का वेतन रुका, संघीय एजेंसियाँ बंद हुईं, आर्थिक वृद्धि दर पर असर पड़ा और निवेशकों का भरोसा डगमगाया। वस्तुत:, जब विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अस्थिर होती है, तो बाकी बाजारों में भी अनिश्चितता फैल जाती है।

भारत में भी संसदीय व्यवस्था है, जहाँ बजट संसद में पारित होता है। किंतु यहाँ 'शटडाउन' जैसी कोई स्थिति संवैधानिक रूप से संभव नहीं है, क्योंकि वित्त विधेयक यानी मनी बिल के पास न होने की स्थिति में सरकार का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता है। दूसरे शब्दों में, यदि वित्त विधेयक पारित नहीं होता तो सरकार तुरंत विश्वास खो देती है और नए चुनाव की घोषणा की जाती है। इसलिए अमेरिका जैसी प्रशासनिक ठहराव की स्थिति भारत में शासन की निरंतरता को पूरी तरह नहीं रोक सकती।

इसके अलावा भारतीय बजटीय प्रणाली अधिक केंद्रीकृत है। राजस्व प्राप्ति, कर निर्धारण और व्यय प्रबंधन की मुख्य शक्ति केंद्र सरकार के पास है। राज्यों को वित्त आयोग और केंद्रीय अनुदान के माध्यम से संसाधन दिए जाते हैं। इस तंत्र में असहमति तो संभव है, लेकिन इसे रोकने के लिए संवैधानिक प्रावधान इतने सशक्त हैं कि पूर्ण सरकारी ठप स्थिति नहीं आती।

फिर भी कल्पना कीजिए कि यदि भारत में किसी कारणवश अमेरिका जैसा 'शटडाउन' लगे तो क्या होगा? सबसे पहले इसके परिणाम सबसे निचले स्तर पर महसूस होंगे; रेलवे, बैंकिंग, डाक, स्वास्थ्य केंद्र, शिक्षा और प्रशासनिक कार्यालयों की सेवाएँ बाधित होंगी। करोड़ों सरकारी कर्मचारी वेतन और पेंशन से वंचित होंगे, जिससे प्रत्यक्ष उपभोग घटेगा और बाजार में तरलता संकट बढ़ेगा। इसके साथ ही औद्योगिक उत्पादन और व्यापार पर भी असर पड़ेगा क्योंकि सरकारी आदेश, अनुबंध और सार्वजनिक निवेश रुक जाएंगे। ग्रामीण अर्थव्यवस्था की स्थिति तो और भी नाजुक हो जाएगी, क्योंकि कृषि समर्थन मूल्य, मनरेगा और सब्सिडी जैसी योजनाएँ केंद्र की भुगतान प्रक्रिया पर निर्भर हैं।

सरकार चाहे किसी भी दल की हो राजनीतिक रूप से, यह स्थिति भारी अस्थिरता पैदा करेगी। भारतीय जनता के बीच शासन पर से विश्वास उठना शुरू हो जाएगा। विपक्ष इसे सत्तारूढ़ दल की विफलता बताकर जनाक्रोश भड़का सकता है, राष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसियाँ भारत को अस्थिर अर्थव्यवस्था मान सकती हैं, जिससे पूंजी प्रवाह रुक जाएगा। इस तरह एक 'शटडाउन' भारत की अर्थव्यवस्था को करारा झटका दे सकता है।

राष्ट्रीय स्तर पर बजट पारित न होने पर भी राज्यों या स्थानीय सरकारों की गतिविधियाँ कुछ हद तक जारी रह सकती हैं, क्योंकि उनकी वित्तीय स्वायत्तता अधिक है। वहीं, भारत में अधिकांश योजनाएँ केंद्र पर निर्भर हैं। केंद्र और राज्य दोनों के बीच वित्तीय संसाधनों की साझेदारी स्पष्ट रूप से परिभाषित है। यदि केंद्र की निधि रुक जाए, तो राज्यों के संचालन पर भी असर पड़ेगा। इसलिए किसी काल्पनिक 'भारतीय शटडाउन' का असर अमेरिका के मुकाबले कई गुना व्यापक और गंभीर होगा।

इस तुलना से एक महत्वपूर्ण सबक यह निकलता है कि लोकतंत्र में दलगत राजनीति और प्रशासनिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन आवश्यक है। अमेरिका में शटडाउन अक्सर दोनों दलों, डेमोक्रेट और रिपब्लिकन के बीच वैचारिक टकराव का परिणाम होता है। कर प्रणाली, सामाजिक सुरक्षा या रक्षा बजट जैसी नीतिगत असहमति वहाँ शटडाउन को जन्म देती है।

भारत में भी संसदीय गतिरोध, हंगामा, या सत्रों का समय नष्ट होना आम है, परंतु यहाँ बजट अवरुद्ध नहीं हो पाता। हालांकि, यह बात सोचने योग्य है कि यदि भारतीय राजनीतिक दल भी अमेरिकी पद्धति की तरह केवल विरोध के लिए विरोध करने लगें, तो नीति निर्धारण की गति पर गंभीर असर पड़ सकता है। भारत को इस खतरे से बचाने के लिए आवश्यक है कि दलगत राजनीति से ऊपर उठकर आर्थिक नीति पर सहमति बनाएँ। कार्यपालिका और विपक्ष दोनों राष्ट्र की दीर्घकालिक शक्ति का आधार है।

भारत के लिए सबसे बड़ा सबक यही है कि राजनीतिक विवेक और आर्थिक जिम्मेदारी का सामंजस्य बनाए राष्ट्र संचालन की साझा जिम्मेदारी है। यदि इस संतुलन को हमने बनाए रखा, तो अमेरिकी 'शटडाउन' जैसे खतरे कभी भारतीय लोकतंत्र के माथे पर न आएँगे।

देश-दुनिया की निगाहे माइनिंग सेक्टर तो एग्रेसिव मोड पर राजस्थान

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बौखलाहट से एक बात साफहो जानी चाहिए कि आज अमेरिका ही नहीं दुनिया के अन्य देशों के लिए भी धरती के गर्भ में समाई खनिज संपदा महत्वपूर्ण हो गई है। अमेरिका चाहे यूक्रेन पर दबाव बना रहा हो या कनाड़ा को राज्य के रुप में घोषित कर अमेरिका में मिलाने की छटपटाहट हो या अन्य देशों की और भ्रकुटी तानने या मेल मिलाप के प्रयास हो सब कुछ इस खनिज संपदा को लेकर ही है। आज चाइना की मोनोपोली देखने को मिल रही है उसका बड़ा कारण भी उसके पास रेयर अर्थ एलिमेंट सहित आज के बदलते युग की मांग को पूरी करने वाली पुरासंपदा के अथाह भण्डार के कारण ही है। ऐसे में वैसे तो दुनिया के देश खनि संपदा को लेकर गंभीर है वहीं हमारे देश में भी केन्द्र और राज्य सरकारें खनिज खोज, खनन और खनिज आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने की कमर कस ली है।

ऐसे में राजस्थान सरकार भी माइनिंग सेक्टर प्रोएक्टिव भूमिका निभाते हुए आगे आया है। वर्तमान सरकार खासतौर से मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को खनन क्षेत्र में राजस्थान को अग्रणी प्रदेश बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। राजस्थान की सरकार द्वारा योजनाबद्ध प्रयासों के तहत प्रदेश में खनिज से जुड़े सभी पहलूओं के योजनावद्ध क्रियान्वयन, समन्वय, प्रबंधन, प्रभावी मोनेटरिंग, एक्सप्लोरेशन, राजस्व, निवेश एवं रोजगार बढ़ोतरी, सस्टेनेबल माइनिंग, माइनिंग सेक्टर में देश दुनिया में हो रहे नवाचार और नवीनतम तकनीक और उसके प्रदेश में उपयोग सहित विभिन्न बिन्दुओं को लेकर विभाग द्वारा उच्चस्तरीय परियोजना मोनेटरिंग इकाई (पीएमयू) का गठन किया है। माना जा रहा है कि प्रदेश में क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक खनिजों के साथ ही प्रधान व अप्रधान खनिजों के विपुल भण्डारों को देखते हुए पीएमयू के गठन से खनिज क्षेत्र को और अधिक गतिशील बनाया जाएगा। इससे खानें जल्दी परिचालन आने के साथ ही निवेश एवं रोजगार के अवसर बढेंगे। वैसे भी आने वाले समय में माइनिंग सेक्टर की भूमिका में बड़ा बदलाव आने लगा है। अमेरिकी राष्ट्रप्रति ट्रॅप की छटपटाहट से इसे आसानी से समझा जा सकता है।

अमेरिका कभी कनाडा को अमेरिका का राज्य ही बनाने में जुटा है तो यूक्रेन की खनिज संपदा अपने नाम करवाने या रुस पर दबाव बनाने के पीछे धरती के गर्भ में समाई खनिज संपदा ही है। खनिज संपदा पर आज दुनिया के देशों की नजर है। चीन के वर्चस्व का बड़ा कारण उसका आरईई सहित खनिज संपदा पर एकाधिकार ही है और आज चीन के इस वर्चस्व को कम करने में ही जुटे हुए हैं। खैर यह विषयांतर होगा पर एक बात साफ है कि माइनिंग सेक्टर में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व व मार्गदर्शन में तेजी से काम होने लगा है और राजथान ऑक्शन सहित रेवेन्यू अर्जन विकास दर आदि में अव्वल हो गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा माइनिंग सेक्टर में विपुल संभावनाओं को देखते हुए राजस्थान के माइनिंग सेक्टर को देश में अग्रणी राज्य बनाने पर जोर देते रहे हैं। नई खनिज नीति, एम-सेण्ड नीति, रिप्स में सहायता प्रावधान, एमनेस्टी योजना सहित प्रक्रिया के सरलीकरण और खनन क्षेत्र विकास के महत्वपूर्ण कदम उठाये गये हैं। पीएमयू के गठन के साथ ही खनन क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख गतिविधियों को 7 सेक्टरों में चिन्हित किया गया है। प्रमुख सचिव माइन्स टी रविकान्त का मानना है कि सभी क्षेत्रों में समन्वित व तेजी से विकास के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को जोड़ते हुए पीएमयू का गठन किया गया है जिससे योजनावद्ध तरीके से तेजी से आगे बढ़ा जा सके। एक्सप्लोरेशन, ऑक्शन, शीध्र परिचालन, रिसर्च एवं डव्लपमेंट, जीरो लॉस माइनिंग, इकोटूरिज्म की संभावनाओं, पेपरलेस सहित विभिन्न गतिविधियों का समावेश किया गया है। विभाग के वरिष्ठ व विशेषज्ञ अधिकारियों को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है।

खनिज क्षेत्र से जुड़े 7 प्रमुख सेक्टरों में से पहले एक्सप्लोरेशन व ऑक्शन का बनाया गया है। इस दल द्वारां कोमोडिटी, मिनरल ग्रेड, खनन के प्रकार सहित विभिन्न बिन्दुओं पर कार्य करेगी। यह दल जीएसआई सहित तकनीकी विशेषज्ञों से समन्वय बनाते हुए एक्सप्लोरेशन से ऑक्शन आदि संबंधित कार्यों को और अधिक प्रभावी गति दी जा सकेगी। इसी तरह से ऑक्शन किये गये माइनर और मिनरल ब्लॉकों को जल्द से जल्द परिचालन में लाने के लिए संबंधित स्टेक होल्डर्स व खान विभाग सहित संबंधित विभागों से समन्वय बनाते हुए आवश्यक अनुमतियां दिलाने में सहयोग के साथ ही शीघ्र परिचालन में लाने का कार्य करेगी। विभाग का जोर खनन क्षेत्र में राजस्व बढ़ाने और राजस्व में किसी भी तरह की छीजत को रोकना भी है और इसके लिए एक दल को मोनेटरिंग सहित आवश्यक सभी जिम्मेदारियां दी गई है। डीएमएफ्टी के कार्य को गति देने और राशि के बेहतर उपयोग की मोनेटरिंग की जिम्मेदारी सौंपते हुए डीएमएफ्टी फण्ड के अन्य प्रदेशों में उपयोग को लेकर अध्ययन सहित योजना, क्रियान्वयन व मोनेटरिंग का फ्रेमवर्क तैयार करने को कहा गया है। राज्य सरकार का सस्टेनेबल माइनिंग पर जोर रहने के साथ ही बदलते परिवेश में यह आवश्यक भी हो गया है। सस्टेनेबल माइनिंग और ऑटोमेशन और तकनीक सेक्टर दल द्वारा स्टार रेंटिंग, बंद व कार्य नहीं कर रही खानों में इको टूरिज्म की संभावनाओं व क्रियान्वयन, डम्प ओवरवर्डन आदि के रिसाइक्लिनिंग व उपयोग, श्रेष्ठ कार्य करने वाली खानों को प्रोत्साहित करने के साथ ही विभागीय सिस्टम को नई तकनीक से जोड़ने और पेपरलेस करने की दिशा में कार्य दिया गया है। इसी तरह से खनिज क्षेत्र में शोध एवं विकास को बढ़ावा देने, अधिकारियों के रिओरियेंटेशन, खनन क्षेत्र से जुड़े स्टेक होल्डर्स व विभाग के बीच साझा मंच उपलब्ध कराने, देश दुनिया में तकनीक में आ रही बदलाव से रुबरु कराने सहित इस तरह के कार्यों के लिए कॉन्क्लेव, सेमिनार, संगोष्ठियां, प्रशिक्षण कार्यक्रम की रुपरेखा व आयोजन का कार्य किया जाएगा। राज्य सरकार ने पीएमयू गठित कर जिम्मेदारी तय करने के साथ ही सरकार की ईच्छा शक्ति स्पष्ट कर दी है। अब पीएमयू टीम को जी जान से जुटते हुए माइनिंग के सभी क्षेत्रों में अग्रणी बनाने के लिए जुट जाना होगा। माइनिंग सेक्टर आज देश दुनिया में महत्वपूर्ण सेक्टर हो गया है। ऐसे में राजस्थान सरकार द्वारा प्रोएक्टिव रोल अपनाने की पहल निश्चित रुप से समय की मांग के अनुकूल है। केन्द्र सरकार भी गंभीर है और क्रिटिकल व स्ट्रेटेजिक खनिजों की नीलामी का काम तो केन्द्र सरकार ने अपने हाथों में ले लिया है।

ITR फाइल 500/-

Whatsapp पर बनवाएँ

Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।

www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

रावघाट परियोजना के अंतर्गत आयोजित सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र की रावघाट परियोजना के तत्वावधान में तथा बीएसएफ86 बटालियन के सहयोग से संचालित सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह 11 अक्टूबर 2025 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के तहत 09 सितंबर 2025 से 08 अक्टूबर 2025 (एक माह) तक 20 बालिकाओं एवं महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्रतिभागियों को कपड़े सिलाई, स्टिचिंग, बुनाई तकनीक और बुनियादी डिजाइनिंग का प्रशिक्षण दिया गया। समापन समारोह में बीएसएफ86 बटालियन के सीईओ अनिल रावत तथा रावघाट परियोजना, भिलाई इस्पात संयंत्र के सहायक महाप्रबंधक उपेंद्र कुमार सिंह तथा खदान क्षेत्र के अधिकारी एवं कर्मचारीगण सहित खड़कागांव एवं खोड़गांव के सरपंच व ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं एवं युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु कौशल विकास के अवसर प्रदान करना था, ताकि वे स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ सकें। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने रावघाट परियोजना और निगमित सामाजिक गतिविधियों के तहत स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने के लिए और उन्हें आजीविका सृजन, हुनर विकास और आर्थिक सशक्तिकरण के व्यापक अवसर प्रदान करने हेतु इसी प्रकार के रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करती है।

अंजोरा भाजपा मंडल में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी अंजोरा मंडल के द्वारा ग्राम रसमड़ा सामुदायिक भवन में आत्मानिर्भर भारत संकल्प अभियान एवं जीएसटी सुधार विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर भाजपा जिला महामंत्री दिलीप साहू, जिला भाजपा मंत्री नवीन पवार, गिरेश साहू पूर्व जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन, मंडल अध्यक्ष हेमंत सिन्हा उपस्थित रहें। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता व महापुरुषों के तैलचित्र पर दीपप्रज्ज्वलन करके किया गया। इसके बाद मंडल अध्यक्ष हेमंत सिन्हा ने स्वागत भाषण दिया। संबोधन की शुरुआत में जिला महामंत्री दिलीप साहू ने आत्मानिर्भर भारत की अवधारणा पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कहा कि आत्मानिर्भर भारत केवल एक नारा नहीं बल्कि राष्ट्र की प्रगति और सशक्तिकरण का संकल्प है। केंद्रीय सहकारी बैंक पूर्व अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन ने जीएसटी सुधारों की महत्ता और उनके दूरगामी लाभों पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधार न केवल व्यापार को सुगम बनाते हैं। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर नेअपने संबोधन में कहा जीएसटी में की गई यह कमी न केवल व्यापार जगत के लिए राहतकारी है।

मूल्य आधारित शिक्षा से ही राष्ट्र होगा सशक्त और समाज बनेगा स्वच्छ - गजेन्द्र यादव

- मूल्य आधारित शिक्षा से ही राष्ट्र होगा सशक्त और समाज बनेगा स्वच्छ
- अभ्युदय संस्थान, अछोटी में चेतना विकास एवं मूल्य आधारित शिक्षा पर कार्यशाला आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अभ्युदय संस्थान, अछोटी में चेतना विकास एवं मूल्य आधारित शिक्षा विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के शिक्षा ,ग्रामोद्योग एवं विधि विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मंत्री यादव ने शिक्षकों से संवाद करते हुए कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में संस्कार, चेतना और सकारात्मक परिवर्तन का आधार है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नई शिक्षा नीति में नैतिक शिक्षा, जीवन मूल्यों और व्यवहारिक ज्ञान को विशेष महत्व देने की आवश्यकता है। श्री यादव ने शिक्षकों से आवाहन किया कि वे विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना को प्राथमिकता दें, ताकि आने वाली पीढ़ी विकसित छत्तीसगढ़ और सशक्त भारत निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा सके।

मंत्री श्री यादव ने कहा कि स्वच्छ समाज की नींव सशक्त शिक्षा व्यवस्था पर ही आधारित है। जब विद्यालयों में संस्कार, अनुशासन और सेवा भाव का वातावरण विकसित होगा, तब राष्ट्र भी स्वच्छ, सशक्त और जागरूक बनेगा।

कार्यशाला में विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्यों और शिक्षकों ने भाग लेकर वर्तमान शिक्षा परिस्थितियों को और बेहतर बनाने के लिए अपने विचार साझा किए। सभी ने नई शिक्षा नीति में मूल्य आधारित शिक्षा को विद्यालयों में और प्रभावी रूप से लागू करने का संकल्प लिया, ताकि विद्यार्थी सशक्त समाज और विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभा सकें। कार्यक्रम में लोक शिक्षण संचालक ऋतुराज रघुवंशी, योगेश शास्त्री, संकेत ठाकुर, अनीता शाह, पार्षद कुलेश्वर साहू, कांशीराम कोसरे सहित क्षेत्र के अनेक शिक्षकगण एवं शिक्षाविद् उपस्थित रहे।

विश्व दृष्टि दिवस पर हनौदा में नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण कार्यक्रम आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। ग्राम हनौदा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में राष्ट्रीय अंधत्व एवं अल्प दृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत विश्व दृष्टि दिवस पर एक विशेष नेत्र परीक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामवासियों के नेत्र परीक्षण कर मार्गदर्शन दिया गया तथा नेत्र रोग से पीड़ित 15 मरीजों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए। इसी क्रम में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला हनौदा के चिन्हित 12 विद्यार्थियों को भी चश्मे प्रदान किए गए।

जिला चिकित्सालय दुर्ग के नेत्र विभाग की नोडल अधिकारी डॉ. संगीता भाटिया ने उपस्थित लोगों को आंखों की सुरक्षा, सावधानियों और नियमित जांच की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी। वहीं नेत्र सहायक अधिकारी अजय नायक ने विद्यार्थियों को आंखों की देखभाल से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें बताई।

कार्यक्रम में जीवन दीप समिति के आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर ने आंखों के महत्व और उनके स्वास्थ्य की समाज में भूमिका पर संबोधित किया। इस अवसर पर डॉ. दुबे, सुषमा दुबे, नेत्र सहायक अधिकारी मंजू चंद्राकर, आरएचओ गोविंद साहू, एमएलटी लक्ष्मी शर्मा, फार्मेसिस्ट मधुरिलता, एलएचवी मंजू साहू, आया राणा, वार्ड बॉय सहित विद्यालय के प्रधान पाठक पी.एन. देवांगन, डॉ. प्रज्ञा सिंह, समीक्षा सिंह, किरण साहू, सतीश चंद्राकर उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में ओम सत्यम शिक्षण एवं जन विकास समिति के अध्यक्ष सीताराम ठाकुर की उपस्थिति रही।

संयंत्र के सिटरिंग प्लांट-3 में 'नवोत्थान' का उद्घाटन एवं सुरक्षा रैली का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के सिटरिंग प्लांट-3 में कार्यस्थल के सतत विकास और सुरक्षा जागरूकता को सशक्त करने की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल के रूप में नवोत्थान (स्क्रैप सामग्री भंडारण क्षेत्र) का उद्घाटन तथा रोड एवं रेल सुरक्षा साइकिल रैली का आयोजन 10 अक्टूबर, 2025 किया गया। इस पहल का नेतृत्व मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी अनुप कुमार दत्त द्वारा किया गया, जिसमें लगभग 150 कर्मचारियों एवं संविदा कर्मियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री अनुप कुमार दत्त द्वारा नवोत्थान क्षेत्र के

औपचारिक उद्घाटन से हुआ। इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रभारी राहुल बिजुर्कर, महाप्रबंधक एवं अध्यक्ष (ऑफिसर्स एसोसिएशन) नरेंद्र कुमार बंछोर तथा महाप्रबंधक आलोक माथुर की उपस्थिति रही।

'नवोत्थान' जो पूर्व में अनुपयोगी स्थान था इस क्षेत्र को अब साफ़ व सुव्यवस्थित कर स्पेयर्स एवं स्क्रैप सामग्री के सुरक्षित भंडारण हेतु एक संगठित और उपयोगी स्थान में परिवर्तित किया गया है।

उद्घाटन के पश्चात अनुप कुमार दत्त ने दो किलोमीटर लंबी रोड एवं रेल सुरक्षा साइकिल रैली का नेतृत्व किया, जिसका शुभारंभ नरेंद्र कुमार बंछोर द्वारा नवोत्थान से किया गया। इस रैली में तीन विभिन्न स्थानों से प्रतिभागी शामिल हुए और अंजनाद्री गार्डन में संगम के साथ संपन्न हुई। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सड़क सुरक्षा और दृश्यता को बढ़ावा देने हेतु संविदा श्रमिकों की साइकिलों पर रिफ्लेक्टिव रेडियम टेप लगाए गए। कार्यक्रम का समापन वरिष्ठ अधिकारियों के उद्बोधन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने सड़क एवं रेल सुरक्षा नियमों के पालन पर बल देते हुए, सभी कर्मचारियों से सामूहिक उत्तरदायित्व एवं सुरक्षा-प्रथम संस्कृति को आत्मसात करने का आह्वान किया।

स्वतंत्र भारत में 'जेन-जी' की ताकत को सबसे पहले जेपी ने पहचाना था: प्रो. शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सम्पूर्ण क्रांति के प्रणेता भारतरत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण की 124 वीं जयंती पर श्रद्धांजलि सभा और वैचारिक गोष्ठी का आयोजन शनिवार को किया गया। भारतरत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण स्मारक प्रतिष्ठान की ओर से आयोजित मुख्य कार्यक्रम में जेपी प्रतिमा स्थल पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन सुबह किया गया। जहां राजनीतिक, सामाजिक व साहित्य जगत से जुड़े लोगों ने जेपी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और 'जयप्रकाश नारायण अमर रहे' के नारे लगाए।

इसके उपरांत एचएससीएल कॉलोनी रूआबांधा में सुबह 10:00 बजे से परिचर्चा का आयोजन किया गया । 'यूथ फॉर डेमोक्रेसी लोकतंत्र के लिए युवा शक्ति का आह्वान जेपी' विषय पर आयोजित इस परिचर्चा में विभिन्न क्षेत्रों से

वक्ताओं ने अपने विचार रखे। इसके पहले उपस्थित सभी लोगों ने स्व. जयप्रकाश नारायण के चित्र पर माल्यार्पण कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्राध्यापक और सामाजिक चिंतक प्रो. डीएन शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि जेपी पर महात्मा गांधी जी का बड़ा प्रभाव था। वे कार्ल मार्क्स के सिद्धांतों से प्रभावित थे और लोहिया का समाजवाद उनके अंतर्मन में था। इन तीनों तत्वों का समावेश करते हुए जेपी ने संपूर्ण क्रांति का आह्वान किया था। प्रो. शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद जेपी ऐसे पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने 'जेन-जी' का महत्व और उसकी ताकत को उस वक्त पहचान लिया था और तब की युवा पीढ़ी को लेकर उन्होंने आंदोलन छेड़ा था। आयोजन की अध्यक्षता कर रहे छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व राज्यमंत्री बदरुद्दीन कुरैशी ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन और स्वतंत्र भारत में जेपी का योगदान अतुलनीय रहा है। आज जरूरत उनके कार्यों और विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की है। उन्होंने कहा कि समग्र उद्देश्यों को लेकर आंदोलन करने वाले जेपी अग्रणी व्यक्तित्व थे। इससे पहले स्वागत भाषण में प्रतिष्ठान के अध्यक्ष आर पी शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए 50 साल पहले आपातकाल की परिस्थितियों पर अपनी बात रखी। उन्होंने लोकनायक जयप्रकाश नारायण के साथ अपने संस्मरणों का उल्लेख करते हुए बताया कि पटना में जब जेपी लाठी चार्ज में घायल हुए थे तो उनके पास कम लोग ही थे।

इस दौरान उन्होंने सुशील मोदी व दूसरे युवा नेताओं को तुरंत खबर कर बुलवाया और फिर बाद में आंदोलन ने जो गति पकड़ी वह अपने आप में इतिहास है। श्री शर्मा ने इस बात पर खेद जताया कि जब भिलाई में अंडरब्रिज निर्माण के लिए जेपी प्रतिमा हटाने की नौबत आ गई थी तो कोई भी मीसा बंदी खुलकर सामने नहीं आया और उन्हें अकेले ही संघर्ष करना पड़ा।

रणनीति-2025 निदेशक कार्मिक कप में ग्रुप ए में निकुंज, सचिन जीते

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के मानव संसाधन विकास केंद्र में रणनीति 2025 निदेशक (कार्मिक) कप लेवल-1 राउंड का समापन समारोह हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ईडी पवन कुमार और विशिष्ट अतिथि ईडी खदान बीके गिरी उपस्थित रहे। दो दिवसीय व्यावसायिक सिमुलेशन प्रतियोगिता का आयोजन सेल द्वारा अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) के सहयोग से किया गया।

वहीं टीम ए 1 में निकुंज कुमार, सचिन प्रधान और विजय कुमार देशमुख की टीम उपविजेता रही। ग्रुप बी में टीम बी9 आलोक कुमार अग्रवाल, सतीश मित्तल, रोहित आर्य विजेता तथा टीम बी 4 रामकिशन अग्रवाल, पवन अग्रवाल और राजेन्द्र कुमार साहू उपविजेता रहे।

बीएसपी में मासिक आईआर क्लियरेंस हेतु लाइव ट्रैकिंग प्रणाली का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के औद्योगिक संबंध एवं ठेका श्रमिक विभाग ने प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, तीव्रता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मासिक आईआर क्लियरेंस (एसडीसी) के लिए लाइव ट्रैकिंग सिस्टम का प्रायोगिक शुभारंभ किया है। यह पहल संयंत्र के डिजिटलीकरण अभियान में एक नए अध्याय की शुरुआत है।

इस प्रणाली का मुख्य उद्देश्य ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों की स्थिति की वास्तविक समय (रियल टाइम) में जानकारी उपलब्ध कराना है, जिससे कार्य में पारदर्शिता, गति और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। नई व्यवस्था से दस्तावेज़ प्रक्रिया की हर अवस्था की निगरानी अब लाइव रूप में की जा सकेगी। इसके तहत आईआर-सीएलसी

कार्यालय में सिंगल विंडो काउंटर (एसडब्ल्यूसी) स्थापित किया गया है। यह काउंटर दस्तावेजों की प्राप्ति एवं वापसी के लिए एकमात्र संपर्क बिंदु के रूप में कार्य करेगा। ठेकेदारों को अब विभिन्न कार्यालयों में दौड़-धूप करने की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे समय की बचत के साथ दक्षता में वृद्धि होगी। दस्तावेज प्रस्तुत करते समय कवरिंग लेटर के साथ एक टोकन नंबर एसडब्ल्यूसी द्वारा जारी किया जाएगा। यह टोकन नंबर आगे की पूरी प्रक्रिया में यूनिक रेफरेंस आईडी के रूप में प्रयुक्त होगा, जिसके माध्यम से ट्रैकिंग की सुविधा सुनिश्चित होगी।

नई प्रणाली के माध्यम से ठेकेदार निर्धारित लिंक पर जाकर अपने दस्तावेज़ों की वास्तविक स्थिति देख सकेंगे, जहाँ उनकी फ़ाइल की प्रगति तीन श्रेणियों क्लियर , प्रक्रिया में और लौटाए/अस्वीकृत में प्रदर्शित होगी। इसके साथ ही प्रत्येक मामले की कुल प्रसंस्करण अवधि भी दिखाई जाएगी, जिससे पारदर्शिता के साथ-साथ जवाबदेही सुनिश्चित होगी और संपूर्ण कार्यप्रवाह की दक्षता का आकलन सरल हो सकेगा।

वर्तमान में यह प्रणाली प्रारंभिक रूप से एक माह की परीक्षण अवधि पर संचालित की जा रही है। इस दौरान उपयोगकर्ताओं से प्राप्त फीडबैक के आधार पर सुधार किए जाएंगे। परीक्षण की सफलता उपरांत इसे पूर्णतः लागू करने की योजना है। यह प्रयास संयंत्र की प्रशासनिक कार्यप्रणालियों को डिजिटल स्वरूप देने के साथ-साथ उन्हें अधिक पारदर्शी और समय-उन्मुख बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस परियोजना का सफल कार्यान्वयन कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार तथा मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) संदीप माथुर के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। प्रणाली के तकनीकी विकास में महाप्रबंधक (मानव संसाधन- आईआर एवं सीएलसी) विकास चंद्रा, वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन- आईआर एवं सीएलसी) निवेश विजयन, सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन- आईआर एवं सीएलसी) के. शशांक राव तथा जूनियर मैनेजर हरीश बैतुले का विशेष योगदान रहा।

भिलाई इस्पात संयंत्र में मासिक आईआर क्लियरेंस के लिए प्रारंभ की गयी लाइव ट्रैकिंग प्रणाली की ठेकेदारों ने प्रशंसा की और कहा कि इस व्यवस्था से कार्यप्रवाह में पारदर्शिता बढ़ेगी और अनावश्यक विलंब तथा भ्रम की स्थिति समाप्त होगी। भिलाई इस्पात संयंत्र की यह पहल प्रशासनिक डिजिटलीकरण की दिशा में एक सुदृढ़ कदम है, जो भविष्य में अन्य प्रक्रियाओं के डिजिटल रूपांतरण के लिए मिसाल स्थापित करेगी।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर...

शहीद नंदकुमार पटेल कॉलेज में छात्र-छात्राओं ने किया रक्तदान

रायपुर। शहीद नंदकुमार पटेल शासकीय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. प्रीति शर्मा के मार्गदर्शन में यूथ रेड क्रॉस सोसायटी और एनएसएस के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जहां 11 योग्य छात्र–छात्राओं ने रक्तदान किया। इस अवसर पर मॉडल ब्लड सेंटर, डॉ भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के डॉक्टर, रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रभारी डॉ. युगबोध पटले, एनएसएस अधिकारी डॉ कविता कोसरिया के साथ महाविद्यालय के प्राचार्य व छात्र–छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

शिविर में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं, अधिकारियों और कर्मचारियों में अभूतपूर्व उत्साह देखा गया। रक्तदान से पूर्व, सभी रक्तदाताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सा टीम द्वारा हीमोग्लोबिन, रक्तचाप, वजन तथा अन्य आवश्यक स्वास्थ्य जाँचें की गईं। जाँच में योग्य पाए गए कुल 11 लोगों (कर्मचारी, अधिकारी और छात्र) ने सफलतापूर्वक रक्तदान किया। रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रभारी डॉ. युगबोध पटले और एनएसएस अधिकारी डॉ. कविता कोसरिया ने सभी रक्तदाताओं और आयोजन में सहयोग देने वाली टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी और मानवता की सेवा की भावना को मजबूत करते हैं।

मिट्टी के दीये बेचने बाजार आने वालों से कर न वसूलने के निर्देश, कलेक्टर दीपक सोनी ने जारी किया आदेश

बलौदाबाजार। दीपवली पर्व पर मिट्टी के दीये एवं स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु कलेक्टर दीपक सोनी ने पहल किया है। उन्होंने मिट्टी के दीये विक्रय किये जाने हेतु बाजार आने वाले इन ग्रामीणों को किसी प्रकार की असुविधा न हो एवं नगरपालिका व नगर पंचायत क्षेत्र में इनसे किसी प्रकार का कर की वसूली न करने आदेश जारी किया है।

जारी आदेश में कहा गया है कि दीपावली पर्व पर कुम्हार एवं अंचल के ग्रामीणों के द्वारा मिट्टी के दीये बनाये जाते हैं तथा इन्हें बाजारों में विक्रय हेतु लाया जाता है।मिट्टी के दीये विक्रय किये जाने हेतु आने वाले इन ग्रामीणों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका पूर्ण ध्यान रखा जाए। नगरपालिका एवं नगर पंचायत क्षेत्र

में इनसे किसी प्रकार का कर की वसूली न किया जाए । साथ ही जिले में दीपावली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने हेतु आमजनों की दीये के उपयोग के साथ–साथ स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया जाए।

करवा चौथः सुहिणी सोच का तंबोला बन गया रोमांचक

रायपुर। सुहिणी सोच टीम ने चोकरधानी में समाज के लिए करवा चौथ उत्सव का आयोजन किया और चाँद का दीदार कर सुहागिनों ने करवाचौथ का व्रत संपूर्ण किया। मुख्य आकर्षण 'भव्य मैजिकल तंबोला' था, जिसने रोमांचक पुरस्कारों के साथ उपस्थित लोगों को अपनी सीटों से बांधे रखा। वातावरण को प्रसिद्ध कलाकार राहुल इंगले के विशेष प्रदर्शन ने और भी उत्साहित कर दिया। फाउंडर मनीषा तारवानी दीक्षा बुधवानी सचिव पूनम बजाज, प्रोग्राम निर्देशक ईशानी तोतलानी, रेखा पजवानी, मुस्कान लालवानी, सिया जसवानी, लक्ष्मी बजाज व हेमा वोहरा उपस्थित थी। उपरोक्त जानकारी मीडिया प्रभारी कविता नारा ने दी। आकर्षण का केंद्र रहे तंबोला और बंपर लकी ड्रा में कई प्रतिभागियों ने शानदार पुरस्कार जीते।

तंबोला में पहला पुरस्कारः गौरव पृथ्वीयानी ने एटी ज्वैलर्स की ओर से गोल्ड नेकलेस जीता। दूसरा पुरस्कारः मायरा मंगलानी ने एटी ज्वैलर्स की ओर से गोल्ड रिंग जीती, तीसरा पुरस्कारः निशा पृथ्वीवानी ने एटी ज्वैलर्स की ओर से गोल्ड इयररिंग जीता। चौथा पुरस्कारः रीत ने लक्ष्मी इलेक्ट्रिकल की ओर से एक टीवी जीता। लकी ड्रा में पहला पुरस्कारः कृतिका बजाज ने डायमंड रिंग, दूसरा पुरस्कारः मुस्कान अडवानी ने फैमिली फर्म हाउस की ओर से पुरस्कार जीता, तीसरा पुरस्कारः डॉली कॉम्बो ने एक कुकर जीता।

लोकसभा सांसद अग्रवाल ने मठपुरैना में किया 2.35 करोड़ की सड़क निर्माण परियोजना का लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने शहीद चंद्रशेखर आजाद और श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड अंतर्गत रावतपुरा फेज–2, मठपुरैना में लगभग 2.35 करोड़ की लागत से बनने वाली सड़क निर्माण परियोजना का शिलान्यास किया। इस परियोजना के अंतर्गत कुल 2 किलोमीटर सड़क निर्माण किया जाएगा, जिसमें 1.5 किलोमीटर डामर सड़क और 500 मीटर सीसी रोड शामिल है। शिलान्यास के अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार के समन्वित प्रयासों से रायपुर के हर वार्ड में विकास की गंगा प्रवाहित हो रही है। सड़कों, नालियों, स्वच्छता, बिजली और जल जैसी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार निरंतर जारी है। उन्होंने कहा कि सरकारी संपत्ति हमारी सामूहिक पूंजी है और इसकी रक्षा करना हम सबका कर्तव्य है।

सांसद ने नागरिकों से अपील की कि जब हम सब मिलकर इन संसाधनों की सुरक्षा करेंगे, तभी विकास और गति पकड़ेगा, और इसका लाभ आने वाली पीढ़ियाँ भी ले पाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि नागरिकों के सहयोग से ही विकसित रायपुर का सपना साकार होगा। इस अवसर पर रायपुर के अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधि और भाजपा के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। इसमें विधायक सुनील सोनी, महापौर मीनल चौबे, जोन अध्यक्ष बद्री प्रसाद गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर, पार्षद रवि सोनकर, और अन्य जनप्रतिनिधि शामिल थे। इसके अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने शिलान्यास समारोह में भाग लिया और विकास कार्य की सराहना की।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि सड़कें केवल वाहन यातायात की सुविधा के लिए नहीं हैं, बल्कि ये क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास की नींव भी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि आगामी महीनों में रायपुर के विभिन्न वार्डों में सड़क, नाली, जल, बिजली और सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के कार्य जारी रहेंगे। भाजपा के नेताओं ने इस अवसर पर जोर दिया कि स्थानीय नागरिकों की भागीदारी और सहयोग विकास की गति को और तेज करेगा। सड़क निर्माण जैसी परियोजनाओं के माध्यम से न केवल नागरिकों को बेहतर सुविधा मिलेगी, बल्कि यह क्षेत्र की जीवन गुणवत्ता को भी बढ़ाएगा।

इस शिलान्यास समारोह में उपस्थित सभी नागरिकों ने कहा कि स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी से रायपुर का हर वार्ड आधुनिक और विकसित शहर का रूप ले रहा है। इस मौके पर सांसद ने जनता के सहयोग और विश्वास के लिए धन्यवाद भी दिया और कहा कि आने वाले वर्षों में विकास की इसी गति को बनाए रखा जाएगा। इस प्रकार रायपुर में सड़क और बुनियादी सुविधाओं के विकास कार्यों का शिलान्यास समारोह एक सकारात्मक संदेश के रूप में देखा जा रहा है, जो क्षेत्रीय नागरिकों और प्रशासन दोनों के लिए उत्साहवर्धक है।

सोशल संगवारी ग्रुप ने करवाचौथ स्पेशल थीम पर किया सेलिब्रेशन, क्वीन बनी सुनीता शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सोशल संगवारी ग्रुप ने अपने सुहाग की लंबी उम्र के लिए पूर्ण श्रृंगार के साथ लाल साड़ी में सजधजकर करवा चौथ व्रत सेलिब्रेशन किया। मजेदार प्रश्नोत्तरी में पति को अलग अलग क्षेत्र या भाषा में क्या क्या कहते हैं, करवा किसे कहते हैं, सगरी क्यों और कब खाया जाता है, चंद्रमा और इस व्रत की क्या कहानी है जैसे क्विज आयोजित कर भरपूर आनंद लिया। सभी को सुहाग और चांद शब्द पर गाना अनिवार्य था। चांद जैसे मुखड़े में ..सितारा, चांद सी महबूबा होगी, कब ऐसा मैने सोचा था, दीपक मेरे सुहाग का जलता रहे, जैसे सदाबहार गीतों से महफिल में रौनक बनी रही।

उनका ड्रेस कोड, लाल परिधान, सुहाग चुनरी, सोलह श्रृंगार और बेस्ट लुक के आधार पर निर्णायक मंडल में पूर्णिमा दुबे ने करवाचौथ क्वीन प्रतियोगिता के विनर का नाम घोषित किया करवाचौथ क्वीन सुनीता शर्मा – नीतू, सेकंड क्वीन बनी बबीता दुबे,थर्ड क्वीन रही आरती दुबे। यह आयोजन डा.शोभना तिवारी और कविता तिवारी का रहा। कार्यक्रम में सुनीता शर्मा, बबीता दुबे, पूर्णिमा दुबे, आरती दुबे, सुमन मिश्रा, सरिता शर्मा, प्रभा शर्मा, शीला गोस्वामी, मीना शर्मा, मीनाक्षी शुक्ला, स्नेहा पांडेय, पद्मिनी शर्मा, शोभना तिवारी, कविता तिवारी बने भाग लिया।

जिंदगी ना मिलेगी दोबारा सेवा संस्था ने सेलिब्रेट किया करवा चौथ

जिंदगी ना मिलेगी दोबारा सेवा संस्था की अध्यक्ष सुषमा तिवारी ने बताया है हर वर्ष की भांति जिंदगी ना मिलेगी दोबारा सेवा संस्था परिवार की महिलाओं द्वारा अनुपम गार्डन में प्री करवाचौथ मनाते हैं वहां पर अपने पति के नाम पर कुछ प्रश्नोत्तरी व आध्यात्मिक रूप से करवा चौथ का महत्व क्या है इस विषयों पर भी चर्चा करते हुए गेम्स भी खेले,गेम्स में सोनालिका ढाडें प्रथम व सुचिता निब्रड द्वितीय विजेता रहीं। सरिता विश्वकर्मा द्वारा महिलाओं को रोचक गेम्स से भरपूर गीत संगीत अंताक्षरी भी खिलवाया गया। संस्था की महिलाएं काफी संख्या में उपस्थित रहीं।

औद्योगिक केन्द्रों का निरीक्षण अनियमितता पर नोटिस जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी विनय कुमार लंगेह के निर्देश के परिपालन में जिला स्तरीय गठित संयुक्त टीम द्वारा दो औद्योगिक केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र शशिकांत सिंह, श्रम पदाधिकारी श्रम विभाग, डीएन पात्र, निरीक्षक, विधिक माप विज्ञान विभाग सिद्धार्थ दुबे उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान मेसर्स राधेश्याम आईल इण्डस्ट्रीज सरायपाली में विधिक माप विज्ञान विभाग की जांच में धर्मकांटा नियमानुसार सत्यापित पाया गया, इसकी जांच हेतु पर्याप्त संख्या में बाट रखने हेतु निर्देशित किया गया। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा जांच में कोई भी कमियां नहीं पाई गई। श्रम विभाग द्वारा न्यूनतम वेतन अधिनियम 1948, समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976, वेतन भुगतान अधिनियम 1936, संविदा श्रमिक अधिनियम 1970 के अन्तर्गत जांच/निरीक्षण किया गया। प्रबंधन द्वारा प्रमुख नियोजक का लाइसेंस एवं ठेकेदार द्वारा भी लाइसेंस नही लिया जाना पाया गया व सूचनाएं प्रदर्शित किया जाना नहीं पाया गया तथा ओवर टाईम का रिकॉर्ड रखा जाना नहीं पाया गया। इस संबंध में प्रबंधन एवं ठेकेदार को नोटिस जारी किया जा रहा है।

इसी प्रकार विकासखण्ड सरायपाली अंतर्गत क्लीनमैक्स इनवायरो एनर्जी सॉल्यूशन लिमिटेड केना का निरीक्षण किया गया है। जिसमें जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र तथा विधिक माप विज्ञान विभाग की जांच में कोई भी कमियां नहीं पाया गया। श्रम विभाग द्वारा न्यूनतम वेतन अधिनियम 1948, समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976, वेतन भुगतान अधिनियम 1936, संविदा श्रमिक अधिनियम 1970 के अन्तर्गत जांच / निरीक्षण किया गया। जिसमें 01 ठेकेदार द्वारा लाइसेंस नहीं लिया जाना पाया गया। इस संबंध में प्रबंधन एवं ठेकेदार को नोटिस जारी किया जा रहा है।

दीपावली पर नया ट्रैफिक प्लान लागू, शहर को चार जोन में बांटा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दीपावली पर्व के दौरान राजधानी रायपुर में बढ़ने वाले ट्रैफिक दबाव को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने व्यापक ट्रैफिक प्लान तैयार किया है। यातायात पुलिस रायपुर ने शहर के प्रमुख बाजार क्षेत्रों को चार जोन में विभाजित कर विशेष यातायात व्यवस्था बनाई है, ताकि त्योहारों के दौरान नागरिकों को जाम की समस्या से राहत मिल सके। यह ट्रैफिक व्यवस्था धनतेरस, नरक चतुर्दशी और दीपावली तक प्रभावी रहेगी। इस दौरान मालवीय रोड, गोल बाजार, सदर बाजार, शास्त्री मार्केट और बैजनाथ पारा मार्ग को नो पार्किंग जोन और आवश्यकता अनुसार नो व्हीकल जोन घोषित किया गया है। ग्राहकों की सुविधा के लिए वैकल्पिक पार्किंग स्थल भी निर्धारित किए गए हैं।

शहर आगामी त्योहारी सीजन में भीड़ और अव्यवस्था से बचने के लिए यातायात पुलिस ने रायपुर शहर को चार जोन में बांटा है–पहला जोनः मालवीय रोड, गोल बाजार, सदर बाजार एवं एमजी रोड दूसरा जोनः पंडरी कपड़ा मार्केट क्षेत्र तीसरा जोनः तेलीबांधा बाजार क्षेत्र चौथा जोनः पुरानी बस्ती बाजार क्षेत्र इन चारों जोनों में आरक्षक से लेकर निरीक्षक स्तर तक के 50–50 पुलिस अधिकारी व जवान तैनात किए गए हैं। प्रत्येक जोन में बीट अधिकारी, 05 यातायात पेट्रोलिंग पार्टियां, 02 क्रेन पेट्रोलिंग पार्टियां और पॉइंट कर्मचारी लगातार गश्त करेंगे। नो पार्किंग और नो व्हीकल जोन में खड़े वाहनों, अवैध ठेला–खोमचा और रिक्शा वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

त्योहारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए कई प्रमुख बाजार क्षेत्रों में वाहनों का प्रवेश आवश्यकतानुसार पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। इनमें मुख्य रूप से ये मार्ग शामिल हैं–टीआई चौक से कोतवाली तक जय स्तंभ से मालवीय रोड आजाद चौक से सदर बाजार श्याम टॉकीज तिराहा से गणेश मंदिर शास्त्री बाजार से बैजनाथ पारा मार्ग इन क्षेत्रों में केवल पैदल आवाजाही की अनुमति होगी, ताकि खरीदारी करने आने वाले नागरिकों को सुगमता मिल सके।

ग्राहकों के लिए वैकल्पिक पार्किंग स्थल तय जाम और अव्यवस्था से बचने के लिए पुलिस ने प्रत्येक बाजार क्षेत्र के पास वैकल्पिक पार्किंग स्थलों की व्यवस्था की है– शास्त्री बाजार आने वाले वाहन– सीरत मैदान एवं शास्त्री बाजार पार्किंग कालीबाड़ी मार्ग से आने वाले वाहन– गांधी मैदान पार्किंग बूढ़ेश्वर चौक से आने वाले वाहन– सप्रे शाला मैदान व बूढ़ा तालाब गार्डन पार्किंग जय स्तंभ चौक से आने वाले वाहन– जवाहर मार्केट व मल्टीलेवल पार्किंग पंडरी कपड़ा मार्केट आने वाले वाहन – कपड़ा मार्केट टर्निंग मैदान एवं छत्तीसगढ़ हार्ट के समीप निर्धारित स्थल पुरानी बस्ती बाजार आने वाले वाहन– हिंद स्पोर्ट्स मैदान लाखे नगर गंज मंडी एवं रामसागर पारा– गंज मंडी मैदान पार्किंग अग्रसेन चौक व चौबे कॉलोनी– भैंसथान मैदान अवंती बाई चौक– प्रगति मैदान जिला अस्पताल के पास पार्किंग स्थल डिजिटल निगरानीः गूगल मैप और CCTV से रीयल टाइम मॉनिटरिंग त्योहारी सीजन में भीड़भाड़ और ट्रैफिक की स्थिति पर नजर रखने के लिए रायपुर यातायात पुलिस ने गूगल मैप और आईटीएमएस के सीसीटीवी कैमरों की मदद से शहर के हर प्रमुख बाजार की लाइव मॉनिटरिंग शुरू की है। जैसे ही किसी क्षेत्र में जाम या अत्यधिक भीड़ की सूचना मिलेगी, यातायात पुलिस तत्काल मौके पर पहुंचेगी और स्थिति को सामान्य करेगी। साथ ही, स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा स्थापित लाउडस्पीकर सिस्टम से लोगों को वैकल्पिक मार्गों की जानकारी दी जाएगी। गूगल मैप से ट्रैफिक जानकारी ऐसे देखें पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले गूगल मैप एप के जरिए ट्रैफिक की स्थिति जांच लें— हरा रंगः सड़क साफ, यातायात सुचारु, पीला रंगः ट्रैफिक धीमी गति से चल रहा, लाल रंगः ट्रैफिक जाम, वैकल्पिक मार्ग अपनाएं इससे लोग न केवल जाम से बच सकेंगे बल्कि यातायात पुलिस को भी व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग मिलेगा।

वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में लागू हुई योजना यह पूरी योजना पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर बनाई गई है। उनके मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) डॉ. प्रशांत शुक्ला, उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) गुरजीत सिंह और सतीश ठाकुर ने शहर का पूरा ट्रैफिक प्लान तैयार किया है। डॉ. सिंह ने कहा कि दीपावली के दौरान शहर के बाजारों में लाखों लोग खरीदारी के लिए निकलते हैं। हमारी प्राथमिकता आमजन की सुविधा और सुरक्षा है। इसलिए नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा है कि वे नियमों का पालन करें और नो पार्किंग जोन में वाहन न खड़ा करें।

रायपुर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे गूगल मैप के माध्यम से ट्रैफिक की स्थिति देखकर ही मार्ग तय करें। निर्धारित पार्किंग स्थल का उपयोग करें और नो व्हीकल जोन में वाहन लेकर न जाएं। इस तरह के प्रबंधों का उद्देश्य है कि दीपावली के दौरान हर नागरिक बिना किसी परेशानी के खरीदारी और उत्सव का आनंद ले सके।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर में एक बार फिर पार्किंग शुल्क वसूली शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर में 11 वर्षों के बाद एक बार फिर पार्किंग शुल्क वसूली शुरू कर दी गई है, जिससे मरीजों और उनके परिजनों में आक्रोश की लहर है। रोजाना करीब 4,000 मरीजों की ओपीडी में आमद वाले इस प्रतिष्ठित संस्थान में अब परिसर में प्रवेश करते ही 10 से 50 रुपये तक की वसूली की जा रही है।

पार्किंग शुल्क को लेकर मरीज और उनके साथ आए लोग कर्मचारियों से उलझते दिख रहे हैं। दूसरी ओर, ऑटो चालकों ने भी किराया 30 से 50 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है, जिससे इलाज के लिए आने वालों पर आर्थिक बोझ और बढ़ गया है। एम्स प्रबंधन का कहना है कि वाहनों

की अत्यधिक भीड़ को नियंत्रित करने के लिए यह ठेका दिया गया है, लेकिन अस्पताल में आने वालों का कहना है कि इलाज से पहले पार्किंग शुल्क देना अब एक नई परेशानी बन गया है। कई मरीजों ने बताया कि कर्मचारियों से सवाल पूछने पर धमकाया भी जा रहा है। परिसर में जगह–जगह 'एसएस मल्टीसर्विसेस एम्स रायपुर' नामक कंपनी के बैनर लगे हैं, जो पेड़ों, दीवारों और पुलिस बैरिकेड्स तक पर देखे जा सकते हैं। बिना शुल्क चुकाए अस्पताल में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है, जिससे गेट पर मरीजों को लंबी बहस करनी पड़ रही है। एक मरीज ने गुस्से में कहा, हम पहले ही इलाज के लिए जूझ रहे हैं, ऊपर से ये नया खर्चा और तकरार। पहले ऐसा कभी नहीं था। ठेकेदार की आपराधिक पृष्ठभूमि को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प–2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

मिर्जापुर में अपने किरदार को लेकर श्वेता त्रिपाठी ने कहा- मेरे पुराने दोस्त की तरह है गोलू

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने हाल ही में बनारस में मिर्जापुर फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म में श्वेता फिर से अपने लोकप्रिय किरदार गजगमिनी गोलू गुप्ता के रूप में नजर आएंगी। आईएएनएस से दिए इंटरव्यू में श्वेता ने अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की। आईएएनएस से बात करते हुए श्वेता ने कहा, गोलू का किरदार निभाना मेरे लिए किसी पुराने दोस्त से मिलने जैसा है।

एक ऐसा दोस्त, जो मेरे जीवन के उतार-चढ़ाव और बदलावों का साक्षी रहा है। बनारस की खासियत है कि यहां की हर कहानी और भी ज्यादा जीवंत लगती है। श्वेता के लिए बनारस वापसी एक खास एहसास लेकर आई है। उन्होंने बताया कि इस शहर ने उनके एक्टिंग करियर में कई महत्वपूर्ण पल देखे हैं। उनकी पहली बड़ी फिल्म मसान से लेकर मिर्जापुर सीरीज तक, बनारस उनके सफर का अहम हिस्सा रही है।

उन्होंने कहा, अब जब मैं इस शहर में मिर्जापुर की शूटिंग कर रही हूं, तो यह मेरे लिए सफर का पूरा होना जैसा है।

अपने किरदार के बारे में श्वेता ने कहा, गोलू का किरदार बदल चुका है और वह खुद भी बदली हैं, लेकिन उसके अंदर का जोश और आग अब भी वही बनी हुई है। मैं दर्शकों को इस किरदार से मिलवाने के लिए बेहद उत्साहित हूं।

बता दें कि मिर्जापुर भारत की सबसे लोकप्रिय क्राइम-थ्रिलर सीरीज में से एक है। इसकी कहानी अखंडानंद कालीन त्रिपाठी नाम के एक अपराधी और व्यवसायी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो मिर्जापुर जिले का बेताज बादशाह माना जाता है। पहले सीजन में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा, विक्रांत मैसी, श्वेता त्रिपाठी, श्रिया पिलगांवकर, रसिका दुग्गल, हर्षिता गौर और कुलभूषण खरबंदा जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में थे।

दूसरे सीजन में ज्यादातर कलाकार वापस आए, लेकिन विक्रांत मैसी और श्रिया पिलगांवकर की जगह कुछ नए कलाकार देखे गए, जिनमें विजय वर्मा, ईशा तलवार, लिलिपुट, अंजुम शर्मा, प्रियांशु पेन्युली, अनंगशा बिस्वास, और नेहा सरगम शामिल हैं। मिर्जापुर की शूटिंग उत्तर प्रदेश के कई शहरों में हुई है। इस सीरीज की अधिकांश शूटिंग मिर्जापुर में हुई, लेकिन जौनपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, लखनऊ, रायबरेली, गोरखपुर और वाराणसी जैसे शहरों में भी काम किया गया है।

क्या चांदनी बार रीओपन्स में लौटेंगी तब्बू? जानिए क्या है पूरी सच्चाई

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म चांदनी बार के बहुप्रतीक्षित सीक्वल पर काम आधिकारिक रूप से शुरू हो चुका है। लेकिन इस घोषणा के बीच सबसे बड़ा सवाल जो चर्चा में है वो ये कि क्या तब्बू एक बार फिर अपने आइकॉनिक किरदार मुमताज सावंत के रूप में वापसी करेंगी? मूल फिल्म में तब्बू के दमदार और संवेदनशील अभिनय ने उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार दिलाया था, और फिल्म आज भी उनकी अदाकारी से गहराई से जुड़ी हुई मानी जाती है।

निर्माता टीम ने पुष्टि की है कि चांदनी बार-2 एक नई पीढ़ी के लिए इस कहानी को फिर से पेश करेगी, जो पहली फिल्म की घटनाओं के 25 साल बाद की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि तब्बू वाकई इस किरदार को दोबारा निभाएंगी या नहीं। प्रोजेक्ट से जुड़े एक करीबी सूत्र ने खुलासा किया कि चांदनी बार 2 के निर्माता, तब्बू की वापसी को लेकर गहन बातचीत कर रहे हैं।

सूत्र ने बताया, निर्माता चाहते हैं कि तब्बू अपने इस प्रतिष्ठित किरदार को दोबारा निभाएं, क्योंकि उनकी मौजूदगी फिल्म की विश्वसनीयता और भावनात्मक गहराई के लिए बेहद अहम मानी जा रही है। बातचीत जारी है, लेकिन अभिनेत्री की आधिकारिक कास्टिंग की पुष्टि अभी बाकी है। चांदनी बार 2 का निर्माण संदीप सिंह अपने बैनर लेजेंड स्टूडियोज के तहत कर रहे हैं, जबकि निर्देशन की कमान मशहूर फिल्ममेकर अजय बहल संभाल रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक, इस सीक्वल में एक नई नायिका को भी पेश किया जाएगा। इस चुनौतीपूर्ण और गहन किरदार के लिए कई युवा अभिनेत्रियों के नाम चर्चा में हैं, जिनमें अनन्या पांडे, शरवरी वाघ और तृप्ति डिमरी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि इस नए मुख्य किरदार की कास्टिंग जल्द ही अंतिम रूप ले लेगी, जो मुंबई के डांस बार्स की जिंदगी और सामाजिक यथार्थ को एक नए दृष्टिकोण से आगे बढ़ाएगी।

ईशा कोप्पिकर की वापसी : रॉकेटशिप का ट्रेलर पेश करता है एक सशक्त मां-बेटी की कहानी

जो आपकी आत्मा को छू जाएगी

ईशा कोप्पिकर की अगली फिल्म, रॉकेटशिप, का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आखिरकार लॉन्च हो गया है, जो दर्शकों को एक भावनात्मक रूप से भरपूर सिनेमाई अनुभव की पहली झलक देता है। निर्माता हरमन राय सहगल ने सोशल मीडिया पर ट्रेलर को एक भावुक कैप्शन के साथ साझा किया है जो फिल्म के सार को बखूबी दर्शाता है: हर सपने को चाहिए एक सहारा, हर सफर को चाहिए प्यार।

व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल की इस प्रस्तुति में ईशा कोप्पिकर एक ऐसे किरदार के साथ पर्दे पर वापसी कर रही हैं। जिसमें वे एक ऐसी भूमिका निभा रही हैं जो अपनी बेटी के सपनों को साकार करने में समर्थन करने वाली एक माँ के रूप में उनके अभिनय कौशल को दर्शाता है। ट्रेलर एक ऐसी भावनात्मक कहानी की झलक देता है, जो एक मां की अटूट शक्ति और बेटी के अडिग सपनों के बीच के गहरे रिश्ते को उजागर करता है, और एक ऐसी कहानी के लिए मंच तैयार करती है जो देश भर के परिवारों के साथ जुड़ जाएगी। ईशा कोप्पिकर, जिन्होंने सालों से अपनी खूबसूरती, शालीनता और अभिनय प्रतिभा से दर्शकों के दिलों पर राज किया है, अब रॉकेटशिप में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही हैं जो दर्शकों के दिल को छूने और भावनाओं की गहराइयों में ले जाने का वादा करती है। यह प्रोजेक्ट खास इसलिए भी है क्योंकि यह अनुभवी प्रतिभाओं और उभरते हुए फिल्म निर्माताओं-खासकर सुभाष घई की प्रतिष्ठित व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल अकादमी के छात्रों-के बीच एक सुंदर सहयोग का प्रतीक है।

ईशा का इस डिप्लोमा प्रोजेक्ट में हिस्सा लेने का फ़ैसला इस बात को दर्शाता है कि वह नए टैलेंट को बढ़ावा देने के लिए कितनी प्रतिबद्ध हैं, और किस तरह वो इन छात्रों की संघर्षपूर्ण यात्रा से खुद को जुड़ा हुआ महसूस करती हैं। उन्होंने भी अपने करियर की शुरुआत बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के की थी, और वह इन छात्रों में अपने ही सपनों की झलक देखती हैं। रॉकेटशिप का ट्रेलर सोशल मीडिया पर आते ही खूब चर्चा बटोर रहा है। दर्शक इसके संवेदनशील विषयवस्तु और ईशा की दमदार भूमिका की जमकर सराहना कर रहे हैं।

जैसा कि ट्रेलर से पता चलता है, दर्शक भावनात्मक गहराई से भरी एक कहानी की उम्मीद कर सकते हैं, जो त्याग, महत्वाकांक्षा और उस गहरे प्यार के विषयों को उजागर करती है जो एक माता-पिता को अपने बच्चे के सपनों के लिए प्रेरित करता है। ईशा कोप्पिकर की शानदार अदायगी और युवा व नवोदित फिल्म निर्माताओं की रचनात्मक ऊर्जा के साथ, रॉकेटशिप दर्शकों के दिलों में उतरने और एक गहरी छाप छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है।

एकता कपूर ने अभिनेताओं से सार्वजनिक रूप से मांगी माफी, यह है वजह

टीवी इंडस्ट्री की क्वीन एकता कपूर ने एक वीडियो जारी करते हुए उन सभी अभिनेताओं से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है, जिनकी उन्होंने वर्षों से आलोचना की है। इसकी वजह भी सामने आ गई है।

टेलीविजन और फिल्म निर्माता एकता कपूर ने इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन पर एक वीडियो अपलोड किया। इसमें एकता कहती हैं, विज्ञापनों में अपने हालिया विवाद के बाद मैं उन सभी अभिनेताओं से सार्वजनिक रूप से माफी मांगना चाहती हूं, जिनसे मैंने कहा था, आपका अभिनय उम्मीद के मुताबिक नहीं था। मुझे सच में खेद है। दरअसल, हाल ही में एकता कपूर कई तरह के उत्पादों के विज्ञापनों में नजर आई थीं। इनमें एक विज्ञापन में उन्होंने दावा किया था, 'मैंने दुनिया को के-ड्रामा दिया', जो उनके मशहूर टीवी सीरियल्स 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी', 'कहानी घर घर की', 'कुसुम' और 'पवित्र रिश्ता' की तरफ इशारा था।

इनमें से कुछ में वह कहती दिखी थीं, कुछ कलाकार तो ऐसे थे, जो एक्टिंग तक नहीं करना जानते थे। इसके चलते एकता कपूर की खूब आलोचना हुई थी। हालांकि, यह विज्ञापन अब सोशल मीडिया से हटा लिया गया है, लेकिन खुद की किरकिरी होते देख एकता कपूर ने सार्वजनिक तौर पर माफी मांग ली।

दूसरी तरफ एकता कपूर की फिल्म 'कटहल' को हाल ही में 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के दौरान सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म के रूप में सम्मानित किया गया था। इस फिल्म को गुनीत मोंगा और एकता कपूर ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म में सान्या मल्होत्रा, अनंत जोशी, विजय राज और राजपाल यादव जैसे सितारे हैं। इस फिल्म को यशोवर्धन मिश्रा ने डायरेक्ट किया है। फिल्म की कहानी अशोक मिश्रा ने लिखी है।

राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल करने के बाद एकता कपूर ने एक पोस्ट में लिखा था, राष्ट्रीय पुरस्कार और कटहल की जीत का जश्न मनाना बालाजी की पूरी टीम के लिए एक जादुई पल है। यह कहानी प्रामाणिक, अनोखे भारतीय आख्यानों पर प्रकाश डालने के लिए रची गई थी और आज की मान्यता इस सफर को अविस्मरणीय बनाती है।

सुबह-सुबह चबा लें तुलसी की पत्तियां, बीमारियों का जड़ से हो जाएगा अंत

आयुष चिकित्सक डॉ. आकांक्षा दीक्षित (एमडी आयुर्वेद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफआयुर्वेद जयपुर, राजस्थान) से बात करते हुए बताती हैं, कि तुलसी बेहद गुणकारी होती है। इसमें एंटीफंगल एंटीवायरल और जीवाणु रोधी गुण होते हैं। जो हमारे स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद माने जाते हैं।

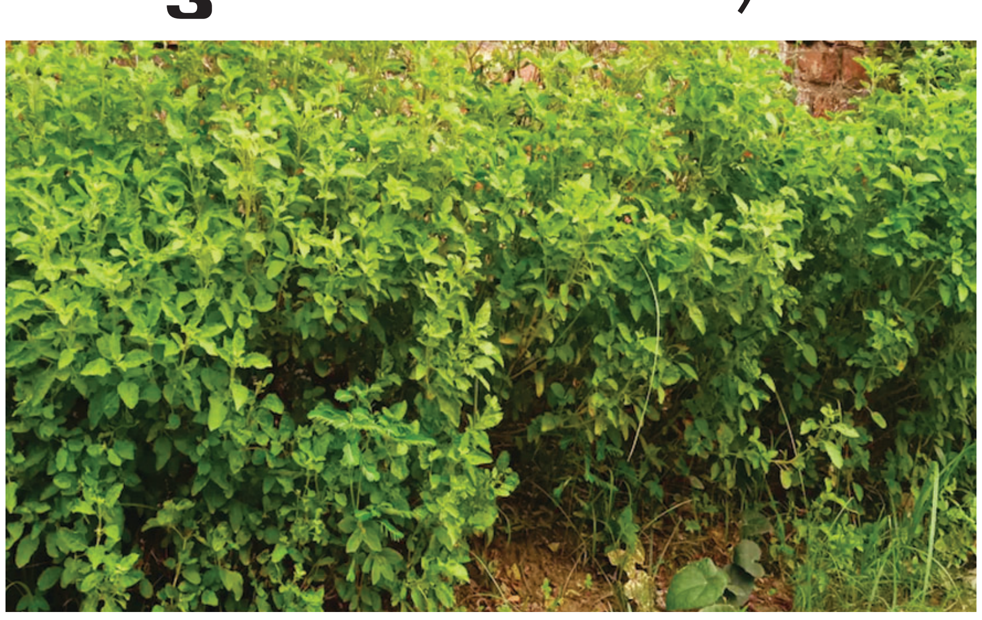

तुलसी का पौधा जिसका धार्मिक महत्व होने के साथ ही आयुर्वेद में भी अपना एक अलग महत्व है। यह हिंदू धर्म में पूजा जाता है। वहीं आयुर्वेद में इसे एक औषधीय पौधा माना गया है। पुरातन काल से ही प्रत्येक भारतीय के घर तुलसी के पौधे का आध्यात्मिक रूप से पूजन किया जाता है। साथ आयुर्वेदिक में इसका उपयोग बड़ा ही गुणकारी है। इसीलिए इसका उपयोग औषधि है के रूप में भी किया जाता है।

एंटीफंगल एंटीवायरल और जीवाणु रोधी गुण

तुलसी बेहद गुणकारी होती है इसमें एंटीफंगल एंटीवायरल और जीवाणु रोधी गुण होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद माने जाते हैं। खासकर सर्दी के मौसम में तुलसी का सेवन स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी होता है। क्योंकि इसमें यूजेनॉल मौजूद होता है । जो कई तरह की छोटी बड़ी समस्याओं से आपको बचाए रखता है।

पत्तों की तरह तुलसी के बीज भी फायदे मंद

औषधीय प्रयोग की दृष्टि से तुलसी की पत्तियां अधिक गुणकारी मानी जाती हैं। इनको आप सीधे खा सकते हैं। तुलसी के पत्तों की तरह तुलसी के बीज भी फायदे मंद होते हैं । यदि आप तुलसी के बीज और पत्तियों का चूर्ण बना सकते हैं । इसकी पत्तियों में कफ पाचन शक्ति एवं भूख बढ़ाने और रक्त को शुद्ध करने वाले गुण होते हैं। इसके अलावा तुलसी के पत्ते का फायदा बुखार दिल से जुड़ी बीमारियां पेट दर्द, गले को साफ करने में बेहद लाभदायक होती हैं।

कोरोना के लिए बेहद लाभदायक

तुलसी का पौधा दो तरह का होता है एक श्यामा तुलसी और दूसरी श्वेत तुलसी श्याम तुलसी अर्थात काली तुलसी होती है। जबकि श्वेत तुलसी हरी होती है। इस पौधे की लंबाई अधिकतर 1 फुट से लेकर 3 फीट तक होती है। इसकी खास बात यह है कि यह पौधा आध्यात्मिक होने के साथ ही औषधि गुणों से भरपूर होता है। इसमें प्रतिरोधक क्षमता अधिक होती है इसीलिए कोरोना के लिए बेहद लाभदायक है ।क्योंकि तुलसी एंटीबायोटिक का काम करती है। इसका उपयोग करने से हमारी इम्यूनिटी बढ़ती है।

हमारी सरकार सुशासन और पारदर्शिता के प्रति प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रायगढ़ जिले के लैलूंगा विकासखंड के ग्राम झगरपुर में कोलता समाज द्वारा आयोजित श्री श्री रणेश्वर रामचंडी मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन स्वामी आत्मानंद शासकीय हिंदी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झगरपुर परिसर में किया गया, जहाँ समाज के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का पारंपरिक गजमाला पहनाकर और तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री श्री रणेश्वर रामचंडी मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर माता रामचंडी के चरणों में पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि तथा खुशहाली की कामना की।

उन्होंने कहा कि झगरपुर की इस पावन भूमि पर आकर उन्हें आत्मिक शांति का अनुभव हुआ है। यह मंदिर न केवल श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि समाज की सांस्कृतिक चेतना और एकता का भी सशक्त प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की आत्मा उसकी संस्कृति और परंपराओं में बसती है। जहां नारी का सम्मान होता है, वहीं ईश्वर का वास होता है। उन्होंने माता-पिता को सच्चा ईश्वर बताते हुए कहा कि यदि माता-पिता प्रसन्न हैं तो सभी देवी-देवता प्रसन्न रहते हैं। मुख्यमंत्री ने सभी से अपने घर के बड़ों के प्रति सम्मान और सेवा-भाव बनाए रखने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार सुशासन, पारदर्शिता और विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। इसके लिए ई-गवर्नेंस की शुरुआत हो चुकी है तथा भ्रष्टाचार के खिलाफसतत कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि सरकार बनने के 18 से 19 माह के भीतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अधिकांश गारंटियों को पूरा किया गया है। किसानों को दो वर्षों का बकाया बोनस दिया गया, धान खरीदी की सीमा 15 क्विंटल से बढ़ाकर 21 क्विंटल प्रति एकड़ की गई, और समर्थन मूल्य 3100 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया।

उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं को प्रति माह 1,000 रुपए की सहायता दी जा रही है। 18 लाख प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत किए गए हैं। भूमिहीन मजदूर सहायता योजना, तेंदूपत्ता खरीदी 5,500 रुपए प्रति मानक बोरा, रामलला दर्शन योजना और मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना जैसी योजनाएं जनहित में संचालित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ संसाधनों से समृद्ध राज्य है, और जनसहयोग तथा संसाधनों के सही उपयोग से हम विकास के नए अध्याय लिख रहे हैं। 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' यह केवल नारा नहीं, बल्कि हमारी कार्यसंस्कृति है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 35,440 करोड़ रुपए के परिव्यय वाली दो प्रमुख योजनाओं- प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और दलहन क्षेत्र में आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ किया है। यह योजनाएं देश के किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, कृषि उत्पादन वृद्धि और ग्रामीण समृद्धि के लिए सतत प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि भूमि रजिस्ट्री व्यवस्था में सुधार कर शासन प्रणाली में नई पारदर्शिता और जवाबदेही लाई गई है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है। जनता का विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने झगरपुर में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 25 लाख रुपए, विकासखंड मुख्यालय लैलूंगा में कोलता समाज हेतु सामुदायिक भवन के लिए 25 लाख रुपए, कुंजाराङ्कतोलगेङ्कमिलूपारा मार्ग निर्माण के लिए 50 करोड़ रुपए, वार्ड क्रमांक 5 पटेलपारा के बीच नदी में स्टॉप डैम कम कॉजवे निर्माण हेतु 2.5 करोड़ रुपए, लैलूंगाङ्ककुंजारा से गमेकेला में खारुन नदी पुलिया निर्माण के लिए 10 करोड़ रुपए और वार्ड क्रमांक 11 में शासकीय कन्या हाईस्कूल के नवीन भवन निर्माण की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए समर्पित है। कोलता समाज का आशीर्वाद और सहयोग सदैव प्रेरणास्रोत रहा है।

वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी ने कहा कि प्रदेश का सौभाग्य है कि उसे ऐसे जनसेवक का नेतृत्व प्राप्त है जो प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने पदभार ग्रहण करने के मात्र 12 दिन बाद ही 13 लाख किसानों को 3,716 करोड़ रुपए बोनस का भुगतान कर दिया। धान खरीदी की सीमा 21 क्विंटल प्रति एकड़ और मूल्य 3,100 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया। प्रदेश में 18 लाख से अधिक गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत लाभ दिया जा रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की भूमि है और प्रभु श्रीराम इस धरती के भांजा हैं। यही हमारी सांस्कृतिक पहचान और गर्व है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय का ध्यान प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित है।

राज्य में ईको-टूरिज्म को मिलेगी नई दिशाः वन मंत्री केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने और ग्रामीण आजीविका सशक्त बनाने की दिशा में एक नई पहल की गई है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज दंतेवाड़ा जिले के ग्राम कुम्हाररास डेम में 'बांस राफ्टिंग' गतिविधि का शुभारंभ किया। उन्होंने स्वयं बांस से बनी नाव में सवार होकर नौका विहार का आनंद लिया। 'बांस राफ्टिंग' की यह शुरुआत राज्य में पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण पर्यटन को नई दिशा देने की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

वन मंत्री कश्यप ने कहा कि 'बांस राफ्टिंग' जैसी गतिविधियां न केवल पर्यटन को बढ़ावा देंगी बल्कि स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों के लिए आजीविका के नए अवसर भी तैयार करेंगी। उन्होंने कहा कि बांस हमारे प्रदेश की हरित अर्थव्यवस्था और जैव विविधता का प्रतीक है। इसके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास दोनों को प्रोत्साहन मिलेगा।

वन मंत्री ने बताया कि इस पहल के साथ ही क्षेत्र में बांस से बने उत्पादों के निर्माण, डिजाइनिंग और विपणन के लिए युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

इस अवसर विधायक चैतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुडामी, अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि गण ने ग्रामीणों से संवाद किया और उन्हें ईको-टूरिज्म आधारित आजीविका योजनाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, विभागीय अधिकारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

स्टेट लेवल ओपन चेस टूर्नामेंट का जशपुर में हुआ शुभारंभ

पहले दिन प्रदेश के 204 खिलाड़ियों ने शतरंज की बिसात पर दिखाया जौहर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट लेवल ओपन चेस टूर्नामेंट का शुभारंभ आज जशपुर के बालाजी मंदिर के पास स्थित कम्युनिटी हॉल में जशपुर विधायक रायमुनी भगत की उपस्थिति में शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की प्रेरणा से छत्तीसगढ़ में खेल संस्कृति विकसित करने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। इसी कड़ी में जशपुर में तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ स्टेट चेस एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित इस टूर्नामेंट में पहले दिन 204 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

विधायक रायमुनी भगत ने की शतरंज टूर्नामेंट की औपचारिक शुरुआत

विधायक श्रीमती भगत ने शतरंज में हाथ आजमाते हुए औपचारिक रूप से खेल की शुरुआत की और खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि शतरंज का खेल मस्तिष्क का एक व्यायाम है जो भारत में पुराने समय से ही खेला जा रहा है। खेल की इस परंपरा से नागरिकों का परिचय कराना और इस क्षेत्र में प्रतिभावान खिलाड़ियों को उचित मंच प्रदान करना छत्तीसगढ़ की सरकार का उद्देश्य है। इस प्रकार के टूर्नामेंट का आयोजन प्रत्येक वर्ष होना चाहिए।

कलेक्टर जशपुर ने कहा कि जिले में कि जशपुर में भी प्रतिभाशाली खिलाड़ी है ,वे आने वाले समय में राष्ट्रीय -अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जिले को नई पहचान दिलाएंगें और विश्व चौंपियन बनेंगे। पहले दिन दो राउंड में 204 खिलाड़ियों ने शतरंज खेला। इसमें इंटरनेशनल रेटिंग प्राप्त 38 खिलाड़ी भी शामिल है। स्विस लीग पद्धति से आयोजित इस टूर्नामेंट में 08 साउंड के खेल सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को खेलने होंगे। पूरे 08 राउंड के प्रदर्शन के अनुसार खिलाड़ियों की रैंकिंग तय की जाएगी ।

छत्तीसगढ़ स्टेट लेवल ओपन चेस टूर्नामेंट उद्घाटन अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, जनपद अध्यक्ष गंगाराम भगत, नरेश नंदे, चेस एसोसिएशन के जॉइंट सेक्रेटरी सरोज वैष्णव सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री व्यास संग जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार ने भी शतरंज के खेल में हाथ आजमाया।

शतरंज आयोजन समिति के अध्यक्ष ने जिले में खेल को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे कार्यों, भारत में शतरंज के गौरवशाली इतिहास?, टूर्नामेंट की विस्तृत जानकारी के विषय में बताते हुए खिलाड़ियों को उत्साह और खेल भावना के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को कहा। इस दौरान आयोजन समिति के सचिव एवं खेल अधिकारी सहित समिति के पदाधिकारी एवं छत्तीसगढ़ स्टेट लेवल ओपन चेस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के साथ ही उनके खेल अधिकारी उपस्थित थे।

युक्तियुक्तकरण से शिक्षिका की पदस्थापना से बच्चे उत्साहित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोरबा जिले के पाली विकासखंड के ग्राम अलगीडाँड़ स्थित प्राथमिक शाला पुरानी बस्ती में युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के तहत नई शिक्षिका के पदस्थ होने से विद्यालय में नई ऊर्जा आई है। विगत कई वर्षों से यह विद्यालय एकल शिक्षकीय संस्था के रूप में संचालित हो रहा था, जहाँ प्रधानपाठक श्री रघुवीर सिंह अकेले सभी कक्षाओं को संभाल रहे थे।

युक्तियुक्तकरण के पश्चात् शिक्षिका इंदु पैकरा के पदस्थ होने से अब शिक्षण कार्य सुचारू एवं प्रभावी हो गया है। विद्यालय में वर्तमान में 63 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिनमें अधिकांश अनुसूचित जनजाति वर्ग के हैं। नई शिक्षिका के आने से विद्यार्थियों में उत्साह का माहौल है। बच्चे अब पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद एवं अन्य गतिविधियों में भी सक्रिय हो रहे हैं। प्रधानपाठक रघुवीर सिंह ने बताया कि अतिरिक्त शिक्षिका की नियुक्ति से विद्यालय संचालन में बहुत सुविधा हुई है। वहीं शिक्षिका श्रीमती इंदु पैकरा ने कहा कि बच्चे अब पढ़ाई में अधिक रुचि ले रहे हैं और बेहतर भविष्य के सपने देख रहे हैं।

3 करोड 81 लाख रूपए की लागत से जामपानी से दुलदुला सड़क के नवीनीकरण कार्य प्रगति पर

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में सड़कों और पुल-पुलिया के निर्माण से बदल रही है प्रदेश की तस्वीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सडकों के जाल बिछने से प्रगति और समृद्धि की नई राहें खुल रही हैं। अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा कही जाने वाली सड़कों और पुल-पुलिया के निर्माण में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इससे प्रदेश की तस्वीर तेजी से बदल रही हैं जो कि आम नागरिकों के जीवन में एक सकारात्मक परिवर्तन भी ला रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्यों ने अभूतपूर्व गति पकड़ी है।

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत सड़कों का निर्माण कार्य लगातार चल रहा है, जिसका उद्देश्य दूरदराज के क्षेत्रों को बारहमासी सड़कों से जोड़ना है। अक्टूबर 2025 में, जिले में नई सड़कों की मंजूरी मिली है, जिससे कई गांवों को लाभ होगा। इसी कड़ी में प्रधामनंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत जशपुर जिले के दुलदुला विकासखंड में 3 करोड़ 81 लाख 13 हजार रुपये की लागत से 17.22 किलोमीटर लंबी जामपानी से दुलदुला सड़क का नवीनीकरण कार्य प्रगति पर है। वर्षा समाप्त होने के उपरांत शेष निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। सड़क निर्माण पूर्ण होने पर ग्रामीणों के लिए आवागमन और भी सुगम होगा, जिससे दैनिक जीवन, व्यापार और आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान बनेगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार अधोसंरचना विकास की दिशा में हो रहे प्रयासों से जिले के दूरस्थ अंचलों तक विकास की रोशनी पहुंच रही है। सड़कों के निर्माण से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और रोजगार के अवसरों तक ग्रामीणों की पहुंच सुलभ हो रही है। स्थानीय उत्पाद में तेजी आ रही है और क्षेत्रीय उत्पादों के विपणन को भी बढ़ावा मिल रहा है। सड़कों का यह व्यापक विस्तार न केवल आवागमन को सुगम बना रहा है, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार ला रहा है। जिले के लोग इन विकास परियोजनाओं के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त कर रहे हैं।

जशपुर जिले में प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत कई सड़कों के निर्माण और सुधार पर काम चल रहा है। कुल 13.63 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से आधा दर्जन से अधिक सड़कों को स्वीकृति मिली है, जिसमें फरसाटोली से करवाजोर, जुमाइकेला बाजारडांड से खेदाटोली और जड़ासर्वा से डूमर टोली जैसे महत्वपूर्ण मार्गों का निर्माण शामिल है।

छत्तीसगढ़ का हो रहा चहुंमुखी विकासः पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल

129.8 करोड़ रूपये के विकास कार्यों की सौगात, 30 नग हाईमास्ट लाईट के लिए 1.61 करोड़ रूपये की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का चहुंमुखी विकास हो रहा है। समाज के अंतिम छोर तक योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से क्षेत्र के विकास के लिए कोई भी कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। वे आज गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के ग्राम मटियाडांड में आयोजित अन्तर्राज्यीय भैना समाज के नवाखाई महोत्सव को सम्बोधित कर रहे थे।

पर्यटन मंत्री अग्रवाल ने इस अवसर पर गौरला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले को 129 करोड़ 8 लाख 26 हजार रूपये की लागत से विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भैना समाज द्वारा जो भी मांग की गई है, उसे मुख्यमंत्री तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने इस मौके पर भैना समाज के लोगों द्वारा सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए शॉल और प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया। कार्यक्रम में भैना समाज के नर्मदांचल पेण्ड्रा परिक्षेत्र के अध्यक्ष सेमलाल रघुवंश ने सामाजिक मांगों के संबंध में जानकारी दी।

पर्यटन मंत्री श्री अग्रवाल ने कार्यक्रम में जिन नवनिर्मित कार्यों का लोकर्पण किया उनमें 54.78 करोड़ रूपये की लागत के 23 कार्यों और 74.29 करोड़ रूपये की लागत के 81 कार्यों का भूमिपूजन शामिल हैं। उन्होंने इस मौके पर चौक-चौराहों में समुचित प्रकाश व्यवस्था के लिए 30 नग हाईमास्ट लाईट के लिए 1 करोड़ 61 लाख रूपये स्वीकृत करने की घोषणा की। कार्यक्रम में किसान समृद्धि योजना के तहत नलकूप खनन एवं पम्प स्थापना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन-बिहान के तहत चक्रीय निधि और महिला कोष के अंतर्गत सक्षम योजना के तहत 22 हितग्राहियों को 23 लाख 35 हजार रूपये का चेक वितरित किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समीरा पैकरा, भैना समाज के पदाधिकारीगण, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित थे।

युवाओं को वन्यजीव पर्यटन एवं पर्यावरण संरक्षण की दी गई गहन जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य में 7 से 11 अक्टूबर 2025 तक पाँच दिवसीय इको-टूरिज्म गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में स्थानीय युवाओं एवं गाइड्स को वन्यजीव पर्यटन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण संरक्षण की गहन जानकारी प्रदान किया गया।

पर्यटन के विस्तार के साथ-साथ जानवरों और प्राकृतिक क्षेत्रों पर पर्यटकों का प्रभाव भी बढ़ता है। लेकिन ज़िम्मेदारी से यात्रा करने और वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों के आनंद के लिए वन्यजीवों और प्राकृतिक क्षेत्रों के संरक्षण में सहयोग करने के कुछ तरीके मौजूद हैं। प्रशिक्षण का संचालन द नेचरलिस्ट स्कूल के प्रशिक्षक दल प्रकृति सुब्रमण्यम, अनिकेतन चंद्रेगैड़ा एवं चंद्रशेखर द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक ज्ञान प्रदान किया गया जिसमें स्थानीय पक्षियों, कीटों, सरीसृपों, स्तनधारियों एवं पादप प्रजातियों की पहचान, उनके पारिस्थितिक महत्व, व्यवहारिक संचार कौशल, व्यक्तित्व विकास तथा गाइडिंग तकनीकों पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। पांचवें दिवस पर अभयारण्य क्षेत्र में फील्ड भ्रमण एवं पादप प्रजातियों की पहचान पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। प्रशिक्षण में बटाया गया कि प्राकृतिक क्षेत्रों की खोज करते समय हमेशा निर्धारित मार्गों का ही पालन करें। ऐसा करने से, नाज़ुक पारिस्थितिक तंत्रों को होने वाले क्षरण और नुकसान को कम किया जा सकता है।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में
कार्य करने हेतु
लड़को की
आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

एसडीओपी राठौर के नेतृत्व में निकाला गया फ्लैग मार्च

बालोद। दीपावली के पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में मनाने के लिए बालोद जिला पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। शनिवार शाम पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल के निर्देश पर एसडीओपी देवांश सिंह राठौर के नेतृत्व में पुलिस ने शहर में फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च की शुरुआत यातायात कार्यालय से हुई और यह सदर रोड, बुधवारी बाजार, टिकरापारा, नयापारा, योगी चौक, मधु चौक से होते हुए जय स्तंभ चौक तक पहुंचा। मार्च के दौरान पुलिस बल ने मुख्य मार्गों, भीड़भाड़ वाले इलाकों और बाजार क्षेत्रों में पैदल गश्त कर नागरिकों से शांतिपूर्वक दीपावली मनाने की अपील की।

उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित समय और स्थान पर ही फटाखे जलाने की अनुमति होगी। किसी भी व्यक्ति द्वारा दूसरों के ऊपर फटाखे फेंकना, धमकाना, या जबरदस्ती करना दंडनीय अपराध है। ऐसे मामलों में पुलिस तत्काल कार्रवाई करेगी। उन्होंने बताया कि जिले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सभी थाना क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल और पेट्रोलिंग वाहन तैनात किए गए हैं। थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाएं और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखें। पुलिस कर्मियों को भीड़भाड़ वाले एसडीओपी ने कहा कि पुलिस प्रशासन का उद्देश्य त्योहार के उत्साह को बनाए रखते हुए कानून-व्यवस्था को मजबूत रखना है। उन्होंने आम जनता से अपील की कि वे जिम्मेदारी के साथ दीपोत्सव मनाएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों से मुलाकात कर उन्हें सावधानी बरतने और बच्चों को फटाखों से दूर रखने की सलाह दी।

शिक्षिका के घर चोरी, लाखों का सामान पार

रायगढ़। रायगढ़ जिले में एक शिक्षिका के घर में चोरी हुई है। घर के बाहर बरामदे में रखी कार, किचन में रखा गैस सिलेंडर और अलमारी में रखे जेवरात सहित 3 लाख का सामान अज्ञात लोग उठाकर ले गए। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, टीचर घर का ताला लगाकर स्कूल के लिए निकल गई थी। 10 अक्टूबर को पड़ोसियों ने फोन कर बताया कि उनके घर का ताला टूटा हुआ है। तब चोरी की घटना का पता चला।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। बड़े रामपुर गोल्डन नेस्ट कॉलोनी में रहने वाली स्वाति खलखो तमनार के शासकीय हाई स्कूल में पदस्थ है। 6 अक्टूबर को स्वाति अपने घर में ताला लगाकर सुबह तकरीबन साढ़े 9 बजे तमनार स्कूल चले गई। शुक्रवार को उसके पड़ोस में रहने वाली महिला ने मोबाइल पर बताया कि उसके घर के बाहर का गेट खुला हुआ है। उसने स्कूल से छुट्टी लेकर घर पहुंची और देखा तो मकान के बरामदे में खड़ी हुंडई कार नहीं थी और जब उसने अंदर जाकर देखा, तो रसोई का गैस सिलेंडर, अलमारी में रखा सोने-चांदी के जेवरात सहित 3 लाख के सामान को लेकर चोर फरार हो गया है।

डेढ़ साल बाद खुला दादी-पोती की हत्या का राज गनियारी में खून से लथपथ मिले थे दोनों के शव

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग के पुलगांव थाना क्षेत्र के गांव गनियारी में हुए बहुचर्चित दादी-पोती की हत्या का मामला आखिरकार पुलिस ने सुलझा लिया है। करीब डेढ़ साल पहले दोनों की लाशें उनके घर पर खून से लथपथ मिली थी। विवेचना के दौरान पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। हत्या करने वाले पूरी प्लानिंग के साथ काम को अंजाम दिया था। इसके बाद भी वह पुलिस की नजरों से बच नहीं सका। लगभग 62 संदेहियों से पूछताछ के बाद मुख्य आरोपी का पता चला। पुलिस ने पॉलीग्राफ, ब्रेनमेपिंग एवं नार्को टेस्ट के जरिए आरोपियों को पकड़ा। इस मामले में मुख्य आरोपी सहित दो को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने शनिवार को खुलासा किया है।

बता दें 6 मार्च 2024 को ग्राम गनियारी में वृद्धा एवं उसकी नाबालिग पोती की किसी अज्ञात आरोपी व्दारा हत्या कर दी गई थी। वृद्धा एवं नाबालिग पोती के शरीर में धारदार एवं भोथरे हथियार से वार कर हत्या की गई थी। शरीर पर अनेक चोटों के निशान थे। घटना की सूचना पर एफएसएल, फिंगर प्रिंट, डॉग स्कॉट तथा वरिष्ठ अधिकारियों की पूरी टीम मौके पर पहुंची थी। मृतिकों के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए विवेचना हेतु विशेष टीम का गठन किया गया। टीम में राजपत्रित अधिकारी एवं एसीसीयू के अधिकारी व कर्मचारियों को शामिल किया गया।

नाबालिग को पता चली आरोपी की सगाई की बात

मृतका नाबालिग को यह बात पता चल गया था कि चुनेंद्र की सगाई 19 फरवरी 2024 को हो चुकी है। नाबालिग ने चुनेन्द्र को धमकाया था कि वह अपनी सहेलियों के माध्यम से चुर्मेंद्र और उसके परिवार को बरबाद कर देगी। इसके कारण चुमेन्द्र ने अपने शराब तस्कर साथियों के साथ मिलकर नाबालिग की हत्या का प्लान बनाया। घटना के दिन चुर्मेन्द्र लोगों को गुमराह करने के लिए अपने दोस्तों के साथ चौथिया खाने उतई के पास घुघसीडीह गया था। वहां से रात्रि करीबन 1:00 से 1:30 बजे के मध्य वापस गांव आया, अपने भाई को फोन करके दरवाजा खुलवाया तथा अपने भाई के सोने के बाद बाहर निकल कर योजना के तहत पंकज व एक अन्य साथी को कॉल कर बुलाया। उसके साथी पंकज निषाद व अन्य स्कॉर्पियों गाडी क. सीजी 06 ई 6666 में आकर नाबालिग के घर के बाहर सड़क में खड़े हो गए।

62 सन्देहियों से की गई पूछताछ

पुलिस टीम व्दारा घटना स्थल पर केम्प कर 62 सन्देहियों से पूछताछ की गई। सन्देहियों का पूर्व आपराधिक रिकार्ड भी खंगाला गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत अहमदाबाद एवं रायपुर में सन्देहियों का ब्रेन मेपिंग, पॉलीग्राफएवं नार्को टेस्ट कराया गया। प्राप्त रिपोर्ट से जो साक्ष्य प्राप्त हुए उनके आधार पर प्रमुख सन्देहियों से सख्ती से पूछताछ की गई, जिसमें चुनेन्द्र निषाद व्दारा नाबालिग से अवैध संबंध की बात कही गई। उसने बताया कि उसकी सगाई हो गई और अवैध संबंधों का खुलासा होने के भय से अपने शराब तस्करी के एक सहयोगी पंकज निषाद एवं एक अन्य साथी के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया था।

चुरेन्द्र ने दरवाजा खुलवाया और कर दी हत्या

चुनेंद्र ने नाबालिग को आवाज देकर दरवाजा खुलवाकर अंदर गया। योजनाबद्ध तरीके से झूठ बोलकर चलो शादी करेंगे कहकर नाबालिग से भाग चलने कहा। नाबालिग ने तुम्हारी सगाई हो गई है, मैं नहीं जाउंगी कहकर मना किया। चुनेन्द्र को यह शंका थी कि नाबालिग तीन महिने के गर्भ से है। नाबालिग के मना करने पर चुनेंद्र द्वारा गुस्से में आकर वहीं पड़े टंगीया से सिर में कई बार प्राण घातक हमला किया चिल्लाने पर उसके मुह में कपड़ा ठूंस दिया था। इस दौरान उसकी दादी उठ गई तो उसकी गर्दन पर चाकू से वार कर हत्या कर दी। घटना करने के बाद आरोपी घटना में प्रयुक्त चाकू व हाथ तालाब में धोकर अपने दोनों साथियों को बताया कि काम हो गया है। फिर वे अपने अपने घर चले गए।

आरोपी चुमेन्द्र निषाद की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू एवं आरोपी पंकज निषाद से मोबाईल एवं स्कार्पियों वाहन को जब्त किया गया है। घटना में एक अन्य आरोपी की भूमिका की भी पतासाजी की जा रही है। आरोपी चुनेंद्र निषाद अपराधिक प्रवृत्ति का है इसके विरूद्ध पूर्व में थाना पुलगांव में अपराध कमांक 489/2019 धारा 294, 323, 506, 34 भादवि, अप.क. 300/2023 धारा 34(2) 59 (क) आबकारी एक्ट एवं अप.क. 330/2025 घारा 74,296,115 (2) 351(2) बीएनएस के तहत् तथा आरोपी पंकज निषाद के विरूद्ध अपराध क. 69/2021 धारा 294, 323, 506, 34 भादवि, अप. क. 454/2021 धारा 34 (2) 59 (क) आबकारी एक्ट एवं अप. क. 48/2025 धारा 34 (2) 36, आबकारी एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध है।

रेलवे की जमीन से कब्जा हटाए गए, 32 घरों में चला बुलडोजर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। रेलवे कॉलोनी में स्थित करीब 32 घरों पर रेलवे प्रशासन ने बुलडोजर चलाया है। रेलवे का कहना है कि ये जमीन रेलवे की है। यहां अवैध कब्जा कर मकान बना लिए थे। पहले नोटिस थमाकर खाली करने कहा था। नहीं किए तो दीवाली त्योहार से पहले कार्रवाई की।

इधर, उस इलाके के रहवासियों का कहना है कि हमें कोई नोटिस नहीं मिला। हम घर में भी नहीं थे और रेलवे प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर घर तोड़ दिया है। वहीं इस मामले में अब सियासत भी शुरू हो गई है। कांग्रेस और भाजपा के नेता एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। दरअसल, यह मामला संजय गांधी वार्ड का है। शनिवार को यहां रेलवे के अफसर और पुलिस जवान पहुंच गए। फिर एक-एक कर अवैध तरीके से बने सारे मकानों पर बुलडोजर चलाया गया।

मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुशील मौर्य, पार्षद कोमल सेना और पार्टी कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे। प्रशासनिक कार्रवाई का विरोध करते हुए जमकर हंगामा किया। कांग्रेस जिला अध्यक्ष का कहना है कि रेलवे प्रशासन ने यहां के रहवासियों को बिना सूचना दिए इस तरह की कार्रवाई की, जिससे 50 से ज्यादा परिवार बेघर हो गए हैं। दिवाली त्योहार से पहले रेलवे प्रशासन ने उनके घरों पर बुलडोजर चला दिया है। ये लोग अब कहां रहेंगे?

कुत्तों के हमलों से ग्रामीणों में दहशत, दो बच्चे गंभीर रूप से घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जिले के बगीचा ब्लॉक और पत्थलगांव क्षेत्र में कुत्तों के हमलों ने ग्रामीणों में दहशत फैला दी है। शनिवार सुबह हुई दो अलग-अलग घटनाओं में कुत्तों ने मासूम बच्चों पर हमला कर दिया, जिससे दोनों बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन और पुलिस से इस मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

कुरुमकेला गांव में सुबह करीब 9 बजे एक पागल कुत्ते ने अचानक दो बच्चों पर हमला कर दिया। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बच्चों को किसी तरह बचाया। हालांकि, तब तक दोनों बच्चे गंभीर रूप से घायल हो चुके थे। परिजनों ने घायल बच्चों को बगीचा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बच्चों की नाजुक स्थिति को देखते हुए उन्हें अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

ग्रामीणों ने स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि इतने गंभीर मामलों में केवल एक डॉक्टर और एक कम्पाउंडर की

मौजूदगी चिंता का विषय है। बीएमओ डॉ. सुनील कुमार लकड़ा ने बताया कि घायलों का उचित इलाज सुनिश्चित किया गया है और डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी स्थिति पर नजर रख रही है। उन्होंने ग्रामीणों से क्षेत्र में पागल कुत्तों की मौजूदगी को देखते हुए सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध पशु के संपर्क में आने से बचने की अपील की। पत्थलगांव क्षेत्र के दिवानपुर गांव में भी इसी दिन कुत्तों ने एक बच्चे पर हमला किया। इस घटना में भी बच्चा गंभीर रूप से घायल हुआ। ग्रामीणों ने तत्काल स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में बच्चे का इलाज करवाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुत्तों के लगातार हमलों से बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग खासतौर पर परेशान हैं।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पागल कुत्तों को पकड़ने और उनके काटने के मामलों में तत्काल प्रभाव से कार्रवाई की जाए। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि ऐसे मामलों में तुरंत रैबीज टीका और आपातकालीन उपचार शुरू किया जाता है। बीएमओ ने स्पष्ट किया कि ग्रामीणों को किसी भी संदिग्ध कुत्ते से दूरी बनाए रखनी चाहिए और किसी भी काटने या खरोंच के मामले में तुरंत स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल पहुंचना चाहिए। जशपुर जिले में कुत्तों के हमलों की यह घटनाएँ ग्रामीण सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

प्रशासन को इस दिशा में न केवल कुत्तों की निगरानी बढ़ाने बल्कि स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त डॉक्टर और स्टाफ तैनात करने की आवश्यकता है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय पर कार्रवाई नहीं हुई, तो बच्चों की सुरक्षा के साथ-साथ पूरे क्षेत्र में भय और असुरक्षा का माहौल बना रहेगा। उन्होंने स्थानीय पुलिस और स्वास्थ्य विभाग से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। इन घटनाओं के बाद अधिकारियों ने इलाके में सर्वे और निगरानी तेज कर दी है।

ढाबे और दुकान में आबकारी विभाग की कार्रवाई, बियर और नशीली इंजेक्शन किया बरामद

बलरामपुर (ए.)। संभागीय आबकारी उड़नदस्ता सरगुजा की टीम ने नशे के कारोबारियों के खिलाफएक और बड़ी कार्रवाई करते हुए राजपुर क्षेत्र में दो अलग-अलग जगहों से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल दाखिल किया है। शनिवार को हुई पहली कार्रवाई बघिमा स्थित शर्मा ढाबा में की गई। मुखबिर से मिली सूचना पर टीम ने जब ढाबे में दबिश दी तो वहां अरुण कुमार सिंह नामक व्यक्ति उपस्थित मिला, जो ढाबे का संचालन मालिक की अनुपस्थिति में कर रहा था।

तलाशी के दौरान ढाबे, घर तथा खड़ी इनोवा गाड़ी से 13 नग सिंबा स्ट्रांग बियर, 2 नग रॉयल चैलेंज व्हिस्की की बोतलें और 10 पाव आफ्टर डार्क व्हिस्की बरामद की गई। आरोपी को आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया। वहीं राजपुर के बूढ़ा बगीचा क्षेत्र में मुखबिर से सूचना मिली कि सूरज सोनी नामक व्यक्ति अपने घर और दुकान से नशीले इंजेक्शन बेच रहा है। टीम ने तत्काल सूरज सोनी के घर और दुकान में दबिश दी, जहां किचन रूम से 53 नग REXOGESIC इंजेक्शन तथा 53 नग AVIL इंजेक्शन बरामद हुए। आरोपी को एनडीपीएस एक्ट की धारा 22(C) के तहत गिरफ्तार कर जेल दाखिल किया गया। दोनों आरोपियों को 11 अक्टूबर को न्यायालय राजपुर में रिमांड के लिए प्रस्तुत किया, जहां से उन्हें जेल भेजने का आदेश दिया गया। सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि सरगुजा संभाग को नशे के जाल से मुक्त कराने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में भी नशे के सौदागरों के खिलाफ इसी प्रकार की कार्रवाई जारी रहेगी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा सं.-2025/सी./को/एसटीबीए/III/आर. दिनांक 08-10-2025

01-कार्य का नाम : दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल के अंतर्गत दाधापारा, लखोली, रिसामा, बिल्हा, केवटी, भिलाई नगर (सेक्टर साइड) और हथबंद एनएसजी-6 श्रेणी स्टेशनों पर टिकट बुकिंग एजेंटों (एसटीबीए) की नियुक्ति के लिए इच्छुक पार्टियों से कम्प्यूटरीकृत अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस) के माध्यम से कम्प्यूटरीकृत अनारक्षित टिकट जारी करने के लिए तीन वर्ष की अवधि के लिए रेल टिकट बुकिंग एजेन्ट (एसटीबीएएस) की नियुक्ति। **02 धरोहर धन राशिः** एनएसजी 6 के लिए 2,000/- रूपये। **03 निविदा प्रपत्र मूल्यः** रु 590/- प्रति निविदा प्रपत्र। **04 आवेदन प्रपत्र जारी करने की अवधिः** दिनांक 17.10.2025 से 16/11/2025 समय 10 बजे से 17.00 बजे तक सभी कार्यालय कार्य दिवस में। **05 आवेदन प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय -** दिनांक 17.11.2025 समय 15.00 बजे तक। **06 आवेदन पेटी को खोलने की अंतिम तिथि एवं समय :** दिनांक 17.11.2025 समय 15.30 बजे तक।

आवेदक अपना आवेदन सीलबंद लिफाफे में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / द.पू.म. रेलवे रायपुर को संबोधित करते हुए 17.11.2025 को 15.30 बजे तक आवेदन पेटी में जमा करें जो कि कार्यालय वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, डीआरएम कार्यालय परिसर, द.पू.म. रेलवे, निकट वॉल्टेयर लेवल क्रॉसिंग गेट, आरवीएच कॉलोनी, रायपुर (छ.ग.) में रखा गया है। किसी भी आवेदन के अंश भाग अथवा पूर्ण निविदा को बिना कारण बताए स्वीकार / अस्वीकार करने का अधिकार रेल प्रशासन अपने पास रखती है। पात्रता मापदण्ड नियम व शर्तें और उपरोक्त कार्य के पूर्ण विवरण के लिए कृपया कार्यालय वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / द.पू.म. रेलवे रायपुर में संपर्क कर सकते है एवं हमारी वेबसाइट www.secr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध दस्तावेज / निविदा प्रपत्र देख व डाउनलोड कर सकते है।

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्यिक)
द.पू.म.रे./ रायपुर

PR/Sr.DCM/AAA/185

South East Central Railway @secrail

दिवाली खर्च के लिए बुजुर्ग महिला की हत्या, बालोद में पड़ोसी युवकों ने रची थी साजिश, ऐसे हुआ मामले का खुलासा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में दीपावली के खर्चों के लिए चोरी करने पहुंचे दो ग्रेजुएट युवकों ने गांव की एक बुजुर्ग महिला की हत्या कर दी। दोनों आरोपी देर रात महिला के घर चोरी करने पहुंचे थे, लेकिन महिला के जागने और शोर मचाने पर गला दबाकर मार डाला। हत्या के बाद वारदात को सामान्य मौत दिखाने के लिए आरोपियों ने शव को बिस्तर पर रख दिया और चारों ओर मच्छरदानी लगा दी। इसके बाद वे महिला के गले की चांदी की चेन और टॉप्स लेकर फरार हो गए। पुलिस ने मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला रनचिरई थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पाउवारा निवासी पुनवंतीन देशलहरे (70) अपने पुराने मकान में अकेली रहती थीं। उनका परिवार नए घर में शिफ्ट हो चुका था। 7 अक्टूबर की सुबह जब बेटा ओमप्रकाश देशलहरे अपनी मां से मिलने पहुंचा, तो देखा कि दरवाजा अंदर से बंद है। दीवार फांदकर जब अंदर पहुंचा तो मां का शव बिस्तर पर पड़ा था। बेटे ने पहले इसे सामान्य मौत समझा लेकिन गांवावालों की नजर कान पर पड़ी जहां से खून बह रहा था। कान के इयररिंग व गले की चेन गायब थी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। एफएसएल, फॉरेंसिक और डॉग स्कॉवायड की टीम मौके पर पहुंची। प्रथम दृष्टया लूट के इरादे से हत्या किए जाने का मामला सामने आया। जांच के दौरान घर के पीछे की ओर मिट्टी की दीवार का एक हिस्सा गिरा हुआ मिला, जिससे अंदेशा हुआ कि आरोपी वहीं से अंदर आए होंगे। जांच के दौरान पुलिस ने लोकेशन व सेल लॉग खंगाले तो उस दौरान दो युवकों के मोबाइल घटन स्थल के पास एक्टिव मिले। पुलिस ने इसके बाद महिला के पड़ोस में रहने वाले भूपेश चंदेल उर्फ लल्ला (28) और विनोद कुमार दिवाकर उर्फचोटी (32) को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।

भूपेश चंदेल और विनोद दिवाकर से पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि उन्हें दिवाली पर पैसों की जरूरत थी। इसी वजह से लूट की नीयत से दीवार फांदकर दोनों 7 अक्टूबर की रात महिला के घर में घुसे थे। चोरी के लिए सामान ढूंढने के दौरान आवाज से महिला जाग गई। जिसके बाद दोनों ने महिला का मुंह और गला दबाकर हत्या कर दी। इयररिंग्स को कान फाड़कर निकाल लिया। गले में चांदी का चेन था उसे भी लूट लिया। आरोपियों के खुलासे के बाद दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

भविष्य का सस्टेनेबल और सीमलेस शहर – नवा रायपुर अटल नगर

बहु-क्षेत्रीय निवेश और विकास की नयी दिशा

फ्यूचर रेडी शहर, जहाँ हैं निवेश के अनुकूल नीतियाँ, प्लग-एंड-प्ले अवसंरचना और तीव्र अनुमोदन की सुविधा।

- **₹6,000 करोड़** का इलेक्ट्रॉनिक्स क्लस्टर
- **₹1,143 करोड़** का सेमीकंडक्टर प्लांट, **फ़ार्मा-मेडटेक पार्क**, **एआई** एवं **डेटा सेंटर** हब
- **आईटी, शिक्षा** और **लॉजिस्टिक्स ज़ोन**

संतुलित विकास

एक ऐसा शहर जहाँ है **जीवन और काम के बीच संतुलन।**

- **ग्रिड-शैली** का डिज़ाइन, छायादार फुटपाथ
- मेनरोड से अलग सुरक्षित **साइक्लिंग ट्रैक**
- ज़रूरी सुविधाएँ **सिर्फ़ 10 मिनट की दूरी** पर

जन-केंद्रित परिवहन व्यवस्था

शहरी आवागमन है **फ्यूचर रेडी, कॉम्पैक्ट और फ़ास्ट ।**

- मेट्रो के लिए **200 मीटर चौड़ा** केंद्रीय कॉरिडोर
- चौड़ी और सुरक्षित सड़के, भविष्य में **ई-बसों का संचालन**
- **रेल, एयर** और **रोड कनक्टिविटी** से जुड़ा शहर, जल्द ही अन्तर्राष्ट्रीय उड़ाने भी

स्मार्ट सुविधाएँ, हरित प्रणालियाँ

स्मार्ट टेक्नोलॉजी रोज़मर्रा की ज़िंदगी को और बेहतर बनाती है।

- **24x7 SCADA** प्रबंधित यूटिलिटीज़ – निर्बाध जल और बिजली आपूर्ति
- आवश्यक शहरी सेवाओं की **रियल-टाइम मॉनिटरिंग** और प्रबंधन
- **वर्षा जल संचयन, बायोस्वेल्स** और **40+ झीलों** को पुनर्जीवन

RO- 45320/2

Explore today: www.navaraipuratalnagar.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950